शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 75 | गुवाहाटी | सोमवार, 14 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

नक्सलियों ने थुलथुली मुठभेड़ में 35 साथियों के मारे जाने की पुष्टि की पेज 2
विजयादशमी : गुवाहाटी समेत राज्य के विभिन्न घाटों पर लोगों की उमड़ी भीड़ पेज 3
हिसार : ईवीएम पर सवाल उठाने की बजाए आत्ममंथन करे कांग्रेस : मनदीप बिश्नोई पेज 5
चौके-छक्कों की बारिश के बीच भारतीय टीम ने टी20 शृंखला में किया क्लीन स्वीप... पेज 7

अश्रुपूरित नेत्रों से मां दुर्गा को दी गई विदाई

गुवाहाटी (हि.स.)। आज अश्रुपूरित नेत्रों से मां दुर्गा को विदाई दी गई। अपने-अपने पंडालों से ले जाकर मां दुर्गा की मूर्तियों के साथ-साथ देवी लक्ष्मी, सरस्वती, भगवान गणेश और कार्तिक के साथ-साथ महिषासुर की मूर्तियों का पूजा समितियों ने प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार विभिन्न घाटों पर जल विसर्जन किया। षष्ठी के दिन मां दुर्गा की प्रतिमाओं की हुई प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से सप्तमी, अष्टमी, नवमी और दशमी को संपूर्ण वातावरण भक्तिमय और उत्सवपूर्ण रहा। आज पूजा पंडालों से माता की मूर्तियां निकलने के समय लोगों के नेत्र आंसुओं से भर आए। राज्य भर में आज दुर्गा की मूर्तियों का विसर्जन किया गया। राज्य के धुबड़ी, तेजपुर, गुवाहाटी के पांडू घाट, लचित घाट, चंद्रपुर आदि समेत राज्यभर में विभिन्न स्थानों पर मूर्तियों का जल विसर्जन किया जा रहा है। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में मूर्तियों का विसर्जन किया जा रहा है। इस बीच, स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा इस अवधि के लिए कई दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के जवानों को तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि चूंकि शनिवार से विजयादशमी तिथि मनाई जा रही है, इसलिए कुछ स्थानों पर शनिवार को ही देवी की मूर्ति का विसर्जन किया गया। वहीं, आज इस शुभ अवसर पर गोलाघाट जिले के मरंगी के -शेष पृष्ठ दो पर

असम सरकार ने स्कूलों में धार्मिक प्रतीकों की अनुमति देने का निर्देश दिया

गुवाहाटी। असम सरकार ने हाल ही में एक आदेश में राज्य के स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे विद्यार्थियों को विशेष रूप से त्योहारों के दौरान अन्य सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों के साथ-साथ *राखी या तिलक* पहनने की अनुमति दें। आदेश में कहा गया है कि स्कूल ऐसी प्रथाओं का पालन करने से बचें, जिनसे बच्चों को शारीरिक दंड या भेदभाव का सामना करना पड़ सकता है। यह निर्देश राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग

(एनसीपीसीआर) द्वारा 8 अगस्त, 2024 को जारी किए गए परामर्श के जवाब में आया है, जिसमें कहा गया था कि स्कूलों को छात्रों के सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का पालन करने के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें इसकी अनुमति देनी चाहिए। स्कूली शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों द्वारा छात्रों को उनकी परंपराओं का पालन करने से रोकने की ऐसी प्रथाओं का हवाला देते हुए, स्कूल -शेष पृष्ठ दो पर

दुर्गा पूजा संपन्न, सीएम ने सुरक्षा प्रयासों की सराहना की

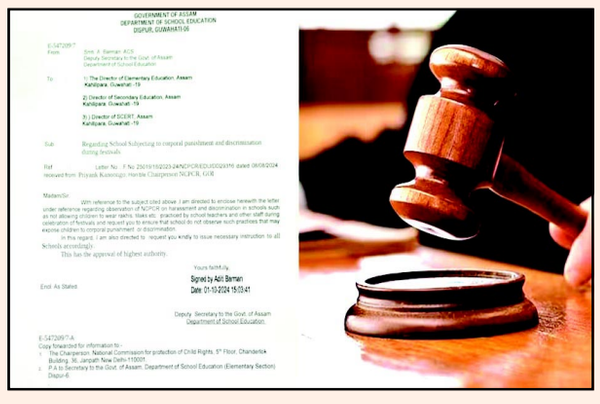

गुवाहाटी। चार दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव आज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया, तथा असम के लगभग 8,000 पंजीकृत पूजा स्थलों पर किसी बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया पर समारोह को सुचारू रूप से संपन्न कराने में शामिल विभिन्न विभागों के प्रयासों की सराहना की। शर्मा ने ट्वीट किया -शेष पृष्ठ दो पर

करीमगंज में साढ़े चार करोड़ की हेरोइन बरामद चार आरोपी गिरफ्तार

करीमगंज। असम के करीमंगज जिले में रविवार को करीब 4.5 करोड़ रुपए की नशीली दवाएं जब्त की गईं। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने बताया कि एक सूचना के आधार पर अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि मिजोरम से आ रहे एक वाहन को चेवाली बील इलाके में रोका गया। दास ने कहा कि वाहन की सघन तलाशी के दौरान 548.82 ग्राम (48 साबुन की डिब्बियों में) हेरोइन छिपाकर रखी हुई मिली। इस मामले में चार लोगों -शेष पृष्ठ दो पर

गोलाघाट में उपद्रवियों ने दुर्गा प्रतिमाओं को अपवित्र किया, एक हिरासत में

गोलाघाट। आज समाप्त हो रहे दुर्गा पूजा उत्सव के बीच असम के गोलाघाट जिले में देवी दुर्गा की मूर्ति को नुकसान पहुंचाने और अपवित्र करने की घटना सामने आई है। गोलाघाट में दो दुर्गा पूजा पंडालों को उपद्रवियों ने निशाना बनाया, जबकि लोग विजयदशमी मना रहे थे। 12 अक्तूबर को देर रात को मोरोंगी और रोंगाजन दुर्गा पूजा पंडालों में मूर्तियों को अपवित्र और नष्ट पाया गया, यह घटना उत्सव के समाप्त होने के कुछ समय बाद हुई। अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और अमल बोरा नामक एक संदिग्ध को हिरासत में लिया।

पुलिस इस घटना की सक्रियता से जांच कर रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि इस दुर्भावनापूर्ण कृत्य में अन्य लोग शामिल थे या नहीं। पूजा समिति के एक प्रतिनिधि के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अपने स्थान पर बने रहने से ही मनुष्य पूजा जाता है।
- **आचार्य चाणक्य**

3 से 9 नवंबर तक भाषा गौरव सप्ताह मनाएगा असम : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असमिया भाषा को *शास्त्रीय भाषा* का दर्जा दिए जाने के उपलक्ष्य में, असम 3 से 9 नवंबर तक *भाषा गौरव सप्ताह* मनाकर इस उपलब्धि का जश्न मनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज यहां अपने सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से यह जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आधिकारिक तौर पर असमिया को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दी है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए, -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदुओं का दुर्बल रहना अपराध : भागवत

नई दिल्ली। नागपुर के आरएसएस मुख्यालय में विजयादशी कार्यक्रम में आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हिंदुओं को संगठित और सशक्त होने की अपील की। बांग्लादेश में हाल में हुए हिंदुओं पर हिंसक आक्रमण की घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुर्बल और असंगठित होने का मतलब अत्याचार को निमंत्रण देना है। बांग्लादेश में तख्तापलट और उसके बाद भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने के पीछे गहरी अंतर्राष्ट्रीय साजिश की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने देश को कमजोर करने वाली ऐसी ताकतों से सावधान रहने और एकजुट होकर मुकाबला करने की जरूरत बताई। भागवत ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म की वीभत्स घटना के आरोपियों की पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा बचाव को अपराध और राजनीति की मिलीभगत बताते हुए इसे खतरनाक बताया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हिंसक हमलों और भारत में गणेश विसर्जन के दौरान पथराव की घटनाओं का उल्लेख करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि इसे रोकने का एकमात्र उपाय हिंदू समाज को एकजुट और सशक्त बनाना है। गणेश विसर्जन के दौरान पथराव की घटनाओं को गुंडागर्दी करार देते हुए उन्होंने कहा कि किसी को भी गुंडागर्दी की इजाजत नहीं दी जा सकती है। भागवत के अनुसार बांग्लादेश में हिंदुओं ने पहली बार एकजुटता का प्रदर्शन किया, जिसके कारण हिंसक हमलों में कमी आई। इसी तरह देश के भीतर भी गुंडागर्दी को रोकने के लिए हिंदू समाज को एकजुट और सशक्त होना होगा। उनके -शेष पृष्ठ दो पर

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के पीछे बिश्नोई गैंग का हाथ होने की संभावना जताई जा रही थी। इस बात की पुष्टि अब खुद बिश्नोई गैंग ने कर दी है। फेसबुक पर साझा किए गए एक पोस्ट में बिश्नोई गैंग ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जिम्मेदारी ली। इतना ही नहीं गैंग ने अभिनेता सलमान खान को भी धमकी दी है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक सदस्य ने रविवार को फेसबुक पर पोस्ट की, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इसमें लिखा गया है कि ओम, जय श्री राम, जय भारत, मैं जीवन का सार समझता हूं, और धन और शरीर को धूल मानता हूं। मैंने केवल वही किया जो सही था, दोस्ती के कर्तव्य का सम्मान करते हुए। पोस्ट में आगे सलमान खान को धमकी देते हुए गैंग के सदस्य ने लिखा कि सलमान खान, हम यह युद्ध नहीं चाहते थे, -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

विसर्जन जुलूस के दौरान फायरिंग युवक की मौत

बहराइच। यूपी के बहराइच में दुर्गा मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान फायरिंग हुई है, जिसमें एक युवक की मौत बताई जा रही है। मुस्लिम समुदाय के द्वार से विसर्जन जुलूस निकालने पर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था, जिसके बाद दोनों तरफ से पत्थरबाजी की गई है। फिलहाल घटना के बाद से पूरे इलाके में -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री ने पीएम गतिशक्ति अनुभूति केंद्र का किया औचक दौरा

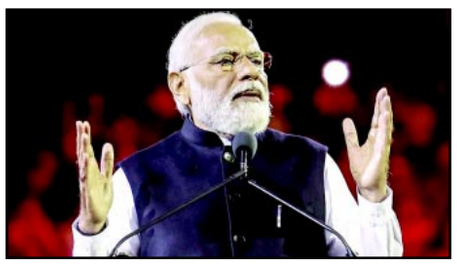

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को भारत मंडपम में बने प्रधानमंत्री गतिशक्ति अनुभूति केंद्र का औचक दौरा किया। यह दौरा प्रधानमंत्री गतिशक्ति के शुभारंभ की तीसरी वर्षगांठ पर किया गया। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री गतिशक्ति के प्रभाव के कारण देश भर में परियोजनाओं की योजना बनाने और क्रियान्वयन में की गई प्रगति की सराहना की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में इसके अपनाने की सराहना

की, जो विकसित भारत के सपने को पूरा करने में तेजी ला रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री गतिशक्ति पोर्टल पर स्कूलों को मैप किया गया है, ताकि भौगोलिक जानकारी के आधार पर आस-पास के अन्य स्कूलों की पहचान की जा सके, ताकि आस-पास के अन्य स्कूलों को भी जोड़ा जा सके। अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री गतिशक्ति रूपरेखा -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रेनिंग के दौरान दो अग्निवीरों की मौत पर राहुल का केंद्र पर निशाना

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती प्रक्रिया पर एक बार फिर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह अग्निपथ योजना सेना के साथ अन्याय है और हमारे वीर जवानों की शहादत का अपमान है। प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को जवाब देना चाहिए कि क्यों एक सैनिक की जिंदगी दूसरे सैनिक से अधिक मूल्यवान है? राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के नासिक में ट्रेनिंग के -शेष पृष्ठ दो पर

सोशल मीडिया पोस्ट के चलते पति ने पत्नी व सास की हत्या की

त्रिपुरा। त्रिपुरा से एक दिल दहलाने वाली खबर सामने आ रही है जहां सोशल मीडिया पोस्ट के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी व सास की हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को बताया कि

एक व्यक्ति, जो एक साल से अपनी पत्नी से अलग रह रहा था उसने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर पश्चिम त्रिपुरा जिले में अपनी पत्नी और अपनी सास की कथित तौर पर हत्या कर दी। बता दें कि आरोपी व्यक्ति अपने दो बेटों के साथ मधुपुर में रह रहा था, जबकि उसकी पत्नी, जिसने उसके खिलाफ तलाक का मामला दायर किया था, डेढ़ -शेष पृष्ठ दो पर

नास्त्रेदमस की एक और डरावनी भविष्यवाणी

...दुनिया में जल्द छिड़ने वाला है तीसरा विश्व युद्ध!

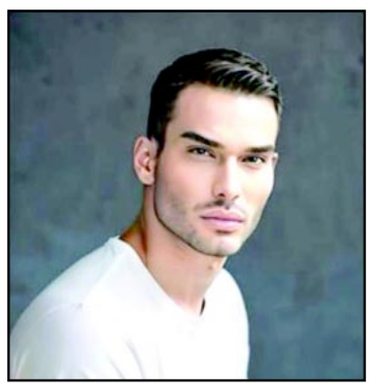

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के मशहूर मनोवैज्ञानिक और एस्ट्रोलॉजर एथोस सलोमी, जिन्हें *जिंदा नास्त्रेदमस* कहा जाता है, ने हाल ही में एक और भयावह भविष्यवाणी की है। एक इंटरव्यू में एथोस ने दावा किया कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर है। उनके अनुसार, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे तनाव के कारण यह युद्ध किसी भी समय शुरू हो सकता है, और अगर यह संघर्ष चरम पर पहुंचा, तो विश्व युद्ध निश्चित है। एथोस की भविष्यवाणी के अनुसार, इस युद्ध में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्स (ईएमपी) का व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाएगा। चीन, उत्तर कोरिया, रूस और अमेरिका जैसे बड़े देश ईएमपी तकनीक का प्रयोग कर सकते हैं, जो पूरी दुनिया के इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल सिस्टम को ठप कर देगा। ईएमपी से धरती अंधेरे में डूब जाएगी, जिससे सभी महत्वपूर्ण डिजिटल रिकॉर्ड और सूचनाएं लीक हो सकती हैं। यह वैश्विक साइबर हमले की तरह होगा, जिससे देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न होगा। दरअसल, ईएमपी के प्रभाव से धरती पर गहरा अंधकार छा सकता है और दुनिया भर के डिजिटल व इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम पूरी तरह ठप हो जाएंगे। अमेरिका और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर को लेकर बढ़ता तनाव युद्ध की एक संभावित वजह हो सकता है। इसके अलावा, चीन या रूस द्वारा अन्य देशों पर साइबर हमले से उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। ईएमपी एक ऐसा उपकरण है, जो बड़े पैमाने पर दुनिया के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को प्रभावित कर सकता है। इसे ऊंचाई पर ब्लास्ट करके सक्रिय किया जा सकता है, जिससे पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र पर प्रभाव पड़ेगा और संचार तथा सूचना तंत्र ठप हो जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

ईरानी आर्मी चीफ निकला इजरायल का जासूसी, दुनिया में मच गया हड़कंप

तेहरान। ईरान के आर्मी चीफ इस्माइल कानी के इजरायली जासूस होने के आरोपों ने देश और दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। द सन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स द्वारा कानी से की गई कड़ी पूछताछ के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा। कानी को पूछताछ के बाद गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, हालांकि उनकी मौजूदा स्थिति स्पष्ट नहीं है।कानी पर संदेह तब और गहरा गया, जब इजरायल ने खुफिया जानकारी के आधार

पर पेजर और वॉकी-टॉकी बम हमलों से हिजबुल्लाह के कई कमांडरों को एक साथ निशाना बनाया। इसमें हिजबुल्लाह नेता हाशेम सफीदीन भी मारे गए। इस हमले से पहले कानी को भी उस बैठक में शामिल होना था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचे, जिससे उनके इजरायली जासूस होने की अटकलें तेज हो गईं। इस बीच, कानी के इजरायल का जासूस होने की खर का भारत में ईरान के दूतावास ने खंडन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नक्सलियों ने थुलथुली मुठभेड़ में 35 साथियों के मारे जाने की पुष्टि की

दंतेवाड़ा (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले की सरहद पर बीती चार अक्तूबर को हुई थुलथुली मुठभेड़ में कुल 35 नक्सली मारे गए थे और कई नक्सली घायल हुए थे। इसकी जानकारी रविवार को नक्सल नेताओं ने दी। उन्होंने इस घटना की निंदा की है। नक्सलियों की पूर्वी बस्तर डिवीजन कमेटी ने आज को एक प्रेस वक्तव्य जारी कर बताया कि दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले की सरहद पर चार अक्तूबर को हुई थुलथुली मुठभेड़ में कुल 35 नक्सली मारे गए हैं, वहीं 12 नक्सली घायल हुए हैं। जारी प्रेस वक्तव्य में 13 नक्सलियों के नाम उजागर किए हैं, बाकी के नामों का उल्लेख नहीं किया गया है। इनमें से 31 नक्सलियों के शवों को पुलिस ने बरामद कर लिया था, जबकि चार शव नक्सली अपने साथ लेकर चले गए थे। जिनका उन्होंने अबूझमाड़ के जंगल में अंतिम संस्कार कर दिया था। इस मुठभेड़ में कुछ और नक्सली मारे जाने का खुलासा सूत्रों के माध्यम से किया जाता रहा है, जिसकी पुष्टि अब नक्सलियों की पूर्वी बस्तर डिवीजन कमेटी के द्वारा जारी प्रेस नोट में की गई है। इसमें बताया गया है कि 4 अक्तूबर की सुबह जवानों ने नक्सलियों को घेर लिया, जब उन्हें इस बात का पता चला तो वे भागने लगे थे। सुबह 6 बजे से 11 बजे के बीच अलग-अलग जगह पर मुठभेड़ हुई थी। जब एक इलाके से घिरे तो दूसरी तरफ भागकर अपने को बचाने का प्रयास किया, लेकिन वहां से भी घिर गए थे। नक्सल नेताओं का कहना है कि सुबह 6 बजे से लेकर रात 11 बजे तक रुक-रुककर गोलीबारी होती रही, जिसमें रात तक 14 साथी मारे गए थे। जिनके शव को पुलिस ने कब्जे में ले लिया था। नक्सलियों का आरोप है कि रात में 17 साथियों को पुलिस ने पकड़ लिया था, जिन्हें सुबह मार डाला। अन्य चार का शव वे साथ लेकर चले गए थे, जिनका अंतिम संस्कार अबूझमाड़ के जंगल में कर दिया था। इस बाबत बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने नक्सलियों की पूर्वी बस्तर डिवीजन कमेटी के जारी प्रेस नोट में कुल 35 नक्सलियों के मारे जाने और 12 नक्सलियों के घायल होने एवं 17 साथियों को पुलिस ने पकड़ मारने के प्रश्न पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कर्नाटक में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशी गिरफ्तार, फर्जी आधार कार्ड भी बनवाया

उडुपी। कर्नाटक के के उडुपी जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के आठ नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। वे पिछले तीन वर्षों से बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के जिले के हुडे गांव में रह रहे थे। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उडुपी के पुलिस अधीक्षक अरुण के अनुसार, बांग्लादेशियों की गिरफ्तारी तब हुई जब एक आरोपित, जिसकी पहचान मोहम्मद माणिक के रूप में हुई, ने फर्जी पासपोर्ट का उपयोग करके दुबई भागने का प्रयास किया। उसे दक्षिण कन्नड़ जिले के बाजपे हवाईअड्डे पर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करने पर माणिक ने बताया कि हुडे गांव में सात अन्य बांग्लादेशी उसके साथ अवैध रूप से रह रहे थे। सूचना उडुपी पुलिस को दी गई, जिसने इलाके में छापेमारी की। पुलिस ने शुक्रवार को सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। जांच में पता चला कि आरोपितों के पास फर्जी आधार कार्ड हैं। यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि आरोपितों ने ये फर्जी आधार कार्ड कैसे प्राप्त किए और वे बांग्लादेश से भारत में सीमा पार करने में कैसे कामयाब रहे। आठ बांग्लादेशी नागरिक फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और उन्हें स्थानीय अदालत में पेश किए जाने की उम्मीद है। बेंगलुरु पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके अवैध रूप से भारत में रहने के आरोप में मंगलवार को 10 और पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तारियों के साथ हाल के हफ्तों में बेंगलुरु के बाहरी इलाके जिगनी इलाके में हिरासत में लिए गए पाकिस्तानी नागरिकों की कुल संख्या 17 हो गई है। गिरफ्तारियां परवेज की हिरासत के बाद हुईं, जिस पर बेंगलुरु और कर्नाटक के अन्य हिस्सों में 22 पाकिस्तानी नागरिकों को सहायता और शरण देने का आरोप था। परवेज ने कथित तौर पर इन व्यक्तियों को हिंदू नाम रखने में मदद की, जिससे उन्हें इस क्षेत्र में रहते हुए घुलने-मिलने और पहचान से बचने की अनुमति मिली। छह महिलाओं सहित गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को नकली दस्तावेजों पर भारत में रहने और अपने वीजा से अधिक समय तक रहने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। कुछ बंदियों ने हिंदू नाम अपना लिए थे, जबकि अन्य ने अपनी मूल पाकिस्तानी पहचान बरकरार रखी थी।

हरियाणा की कमान अमित शाह के हाथ, जम्मू-कश्मीर के पर्यवेक्षक होंगे प्रहलाद जोशी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड ने हरियाणा विधानसभा में विधायक दल का नेता चुनने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। हाल ही में संपन्न हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत के साथ तीसरी बार सरकार बनाने का मौका मिला है। पार्टी ने इस बार का चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ा था। सोलंकी पार्टी के अंदर अब मुख्यमंत्री पद के लिए कुछ दावेदार सामने आए हैं। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर के लिए केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चौक को केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर चुना है।

रुड़की-लक्सर रेल लाइन पर मिला गैस सिलेंडर

हरिद्वार (हि.स.)। रुड़की-लक्सर रेलवे ट्रैक पर एक गैस सिलेंडर मिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि सिलेंडर खाली था। घटना कल सुबह की है। लेकिन अधिकारियों ने यह जानकारी रविवार को सार्वजनिक की। भुचड़ी रेलवे स्टेशन के निकट ढंडेरा में लक्सर-रुड़की रेलवे ट्रैक पर एक खाली तीन किलोग्राम का गैस सिलेंडर पड़ा मिला। घटना के बाद आरपीएफ, जीआरपी व सुरक्षा बल तुरंत हरकत में आ गए। ट्रेक पर गैस सिलेंडर होने की जानकारी सबसे पहले एक मालगाड़ी चालक ने रेलवे सुरक्षा बल को दी, जिसके बाद एहतियातन आसपास भी रेलवे ट्रैक खंगाला गया, लेकिन दूसरी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। रेल प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। हरिद्वार के पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) स्वप्न किशोर ने बताया कि रुड़की-लक्सर रेल मार्ग के बीच में तीन किलोग्राम का एक छोटा सिलेंडर पड़ा हुआ था, जिसकी सूचना मिलते ही आरपीएफ व पुलिस की टीमें मौके पर पंहुची और सिलेंडर को कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया इसमें कोई साजिश नजर नहीं आ रही है, फिर भी मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

बांग्लादेश में पंडाल और मंदिरों पर हमले को लेकर भारत सख्त

ढाका। बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से अपदस्थ होने के बाद भड़की हिंसा के दौरान अल्पसंख्यक हिंदुओं को उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा संपत्तियों में तोड़फोड़ की गयी और मंदिरों को क्षतिग्रस्त किया गया। यहां तक कि दुर्गा पूजा के दौरान भी पूजा पंडालों पर हमले किए गए। भारत सरकार ने इस पर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में एक बयान जारी कर इन घटनाओं को घृणित बताया और कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों और देवताओं को व्यवस्थित तरीके से अपवित्र किया जा रहा है। पूजा मंडप पर हमले और सतखीरा में प्रतिष्ठित जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी की घटना से हम चिंतित हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने दुर्गा पूजा समारोह पर हमले की खबरों के बीच शनिवार को सदियों पुराने ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया और हिंदुओं को शुभकामना दी। मंदिर में एक समारोह में यूनुस ने कहा कि सरकार बांग्लादेश को इस तरह बनाना चाहती है, जहां प्रत्येक नागरिक के अधिकार सुनिश्चित होंगे। पुराने ढाका के तांती बाजार इलाके में शुक्रवार रात को एक दुर्गा पूजा मंडप पर एक देसी बम फेंका गया।

हालांकि, बम में आग लग गई और कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने बताया कि बांग्लादेश में दुर्गा पूजा उत्सव से संबधित करीब 35 अप्रिय घटनाओं के बाद 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 12 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब एक दिन पहले ही पता चला था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उपहार में दिया गया एक स्वर्णिम मुकुट दुर्गा पूजा समारोह के दौरान सतखीरा जिला स्थित जेशोरेश्वरी काली मंदिर से चोरी हो गया था। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश सरकार से चोरी की जांच करने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के अलावा मुकुट बरामद करने का आग्रह किया है। पुलिस महानिरीक्षक मोहम्मद मोइनुल इस्लाम ने कहा कि हमारे पास घटना के लिए जिम्मेदार लोगों का रिकॉर्ड है। ऐसे व्यवधानों में शामिल लोगों को सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि देशभर में 32 हजार से अधिक मंडप में दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। चटगांव में हमले के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है और इसके पीछे के उद्देश्य का पता लगाने का प्रयास जारी है। गुरुवार को करीब छह लोगों ने चटगांव में एक दुर्गा पूजा मंडप के मंच पर इस्लामी क्रांति का आह्वान करते हुए एक गीत गाया, जिससे आक्रोश फैल गया। इस घटना का एक वीडियो क्लिप इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया, जिससे लोग नाराज हो गए। इस सिलसिले में पूजा समिति के संयुक्त महासचिव सजल दत्त सहित सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश में हुई दो घटनाओं पर कड़ी आपत्ति जताई है। उसने कहा कि ये निंदनीय घटनाएं हैं। वे मंदिरों और देवताओं को अपवित्र करने और नुकसान पहुंचाने के एक व्यवस्थित पैटर्न का पालन करते हैं, जिसे हम पिछले कई दिनों से देख रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

अश्रुपूरित नेत्रों से ...

सारगांव में देवी की मूर्ति को तोड़ दिए जाने की दुखद खबर आई। शनिवार की रात अज्ञात बदमाशों द्वारा इस कृत्य को अंजाम दिए जाने को लेकर श्रद्धालुओं के बीच तनाव व्याप्त है। रविवार को मूर्तियों के प्रस्तावित विसर्जन के पहले रात में ही उपद्रवियों की ऐसी हरकतों की सभी ने निंदा की है। गोलाघाट पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में हालांकिए अमल बोरा नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी शहर में कल से कुल 27 घाटों पर मूर्ति विसर्जन हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए इन 27 घाटों में से कई घाटों पर शनिवार को 55 पूजा समितियों द्वारा मूर्ति विसर्जन किया गया। वहीं, आज कुल 263 पूजा समितियां शहर के विभिन्न घाटों पर मूर्तियों का विसर्जन कर रही हैं। सोमवार को भी 13 पूजा समितियां शहर के कई घाटों पर मूर्तियों का विसर्जन करेंगी। आज शहर के काछमारी घाट (लचित घाट) पर 123 पूजा समितियां मूर्तियों का विसर्जन करेंगी। विसर्जन कार्यक्रम सुंदर और व्यवस्थित तरीके से चल रहा है। यह देर रात तक जारी रहेगा। इसी प्रकार आज शहर के साउकूची घाट पर 29, वशिष्ठ घाट पर 11, चुनशाली घाट पर 10, पांडु घाट पर 15, धपलिया घाट पर 24 पूजा समितियों ने मूर्तियों का विसर्जन किया। इसी तरह कल भी काछमारी घाट पर एक, पांडु घाट पर 11, धारापुर घाट पर एक मिलाकर शहर की कुल 13 पूजा समितियां कल अपनी मूर्तियों का जल विसर्जन करेंगी। विसर्जन कार्यक्रम सुचारू और अनुशासित तरीके से संपन्न हो, इसके लिए प्रशासन सभी व्यवस्थाओं की बारीकी से निगरानी कर रहा है। जगह-जगह पुलिस तैनात कर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस तरह शारदीय दुर्गोत्सव का आज समापन हुआ। डोली में सवार होकर आई मां दुर्गा आज भक्तों की आंखों को नम करके घोड़े पर चढ़कर कैलाश चली गईं।

दुर्गा पूजा संपन्न...

कि असम पुलिस, आपातकालीन सेवाओं, डॉक्टरों और उन सभी लोगों के प्रति मेरी कृतज्ञता, जिन्होंने यह सुनिश्चित करने में पिछले कुछ दिन बिताए कि त्योहार हम सभी के लिए खुशी भरे हों। मुख्यमंत्री ने आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लगभग 8,000 पंजीकृत पूजा स्थलों में से किसी में भी कोई बड़ी घटना की सूचना नहीं मिलने से, असम में दुर्गा पूजा उत्सव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। उत्सव के सफल प्रबंधन में कानून प्रवर्तन एजेंसियों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और आपातकालीन सेवाओं के बीच समन्वय शामिल था। उनके संयुक्त प्रयासों ने पूरे समारोह के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने में योगदान दिया।

असम सरकार ने ...

शिक्षा विभाग की उप सचिव अदिति बर्मन द्वारा 1 अक्तूबर को जारी सरकारी पत्र में सभी स्कूलों को दिशानिर्देशों का पालन करने और तदनुसार आवश्यक निर्देश जारी करने का आदेश दिया गया है। असम के हिंदुत्व नेता सत्य रंजन बोरा ने राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देश के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और ईसाई मिशनरी स्कूलों द्वारा संवैधानिक कर्तव्यों का अवमूल्यन करने और भारत के संविधान की अवहेलना करने की आलोचना की। उन्होंने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए का उल्लेख किया, जो सभी नागरिकों के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देता है, तथा इस बात पर बल दिया कि संविधान में ऐसे उपायों का प्रावधान है और सभी को उनका पालन करना अनिवार्य है। अनुच्छेद 51ए (ई) में कहा गया है कि भारत के सभी लोगों के बीच धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या सांप्रदायिक विविधताओं से परे सद्भाव और समान भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना; महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करना। अनुच्छेद 51ए (एफ) में लिखा है कि हमारी मिश्रित संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देना और संरक्षित करना। हिंदुत्व नेता ने नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसमें कहा गया है कि कक्षा 8 तक के छात्रों को उनकी मातृभाषा में पढ़ाया जाना चाहिए और उन्हें भारत के बारे में ज्ञान प्रदान किया जाना चाहिए। बोराह ने भारत के ज्ञान को समावेशी के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि सनातन दर्शन *परम और समावेशी* है, जबकि ईसाई धर्म और इस्लाम जैसे अन्य धर्म अधिक विशिष्ट हैं। उन्होंने समझाया कि सनातन दर्शन सभी को ध्यान में रखता है, न कि केवल मनुष्यों को। इसमें प्राकृतिक पर्यावरण, स्थिरता और सब कुछ शामिल है। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस कदम का देश भर के स्कूलों द्वारा अनुसरण किया जाना चाहिए। भारतीय लोगों में खामियों की ओर इशारा करते हुए बोराह ने कहा कि संवैधानिक कर्तव्य लागू करने योग्य नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे अदालत से इन कर्तव्यों को लागू करने योग्य बनाने की अपील करेंगे और अगर ऐसा नहीं हो पाता है, तो कानून लागू करने के साथ-साथ उन लोगों के लिए *दंड का प्रावधान* होना चाहिए जो इसका पालन करने में विफल रहते हैं। बोराह ने कहा कि भारतीय संविधान के विरुद्ध कार्य करना राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों का विषय बनता है। उन्होंने आगे कहा कि छात्रों को उनकी धार्मिक भावनाओं का पालन करने की अनुमति न देना भी बाल अधिकारों को कमजोर करता है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि किस तरह असमिया छात्रों को स्कूलों में अपनी मातृभाषा बोलने के लिए दंडित किया जाता है, खासकर ईसाई मिशनरी संस्थानों में जहां असमिया को वैकल्पिक भाषा के रूप में पढ़ाया जाता है। इस संबंध में, बोराह ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को एक पत्र भी भेजा है। बोराह ने माता-पिता और अभिभावकों से अपने बच्चों के लिए शिक्षा के महत्व पर जोर देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ईसाई मिशनरी स्कूलों द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा, जो शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि सामाजिक पतन में योगदान देती है। असम सरकार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मैडम/महोदय। उपरोक्त विषय के संदर्भ में, मुझे स्कूलों में उत्पीड़न और भेदभाव पर एनसीपीसीआर की टिप्पणी के संबंध में संदर्भित पत्र संलग्न करने का निर्देश दिया गया है, जैसे कि त्योहारों के दौरान स्कूल के शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों द्वारा बच्चों को राखी, तिलक आदि लगाने की अनुमति नहीं देना और आपसे अनुरोध है कि यह सुनिश्चित करें कि स्कूल में ऐसी प्रथाएं न हों, जिससे बच्चों को शारीरिक दंड या भेदभाव का सामना करना पड़े। इस संबंध में, मुझे आपसे यह भी अनुरोध करने का निर्देश दिया गया है कि कृपया सभी स्कूलों को तदनुसार आवश्यक निर्देश जारी करें। इसे सर्वोच्च प्राधिकारी की मंजूरी प्राप्त है।

करीमगंज में साढ़े ...

को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि यह वाहन मिजोरम में पंजीकृत था और आइजोल से आ रहा था। आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब्त की गई नशीली दवाओं की कुल कीमत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी)के मानकों के अनुसार 4.5 करोड़ रुपए है।

गोलाघाट में उपद्रवियों ...

शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि तोड़फोड़ मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्तियों द्वारा की गई हो सकती है। प्रतिनिधि ने विश्वास व्यक्त किया कि जांच से सभी अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी होगी, और हिरासत में लिए गए संदिग्ध से पूछताछ की जाएगी।इस घटना से निवासियों में व्यापक आक्रोश फैल गया है और वे शीघ्र न्याय तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

3 से 9 नवंबर तक ...

असम 3 से 9 नवंबर तक *भाषा गौरव सप्ताह* मनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाषा गौरव सप्ताह के एक हिस्से के रूप में, विश्वविद्यालय, स्कूल और नागरिक समाज संगठन असमिया लेखकों और विद्वानों के योगदान का सम्मान करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जिनके काम ने चौथी शताब्दी से भाषा को आकार दिया है। सप्ताह भर चलने वाला उत्सव असम के लोगों को असम की सांस्कृतिक और भाषाई विरासत के प्रति इस महत्वपूर्ण कदम के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करने का अवसर भी देगा। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने भाषा गौरव सप्ताह के उत्सव को सफल बनाने के लिए राज्य के सभी वर्गों के लोगों से सहयोग मांगा।

हिंदुओं का दुर्बल ...

अनुसार पथराव करने वालों के खिलाफ पुलिस प्रशासन तो बाद में कार्रवाई करेगी, लेकिन सबसे पहले अपना और अपनों की जान बचाना हमारा मूलभूत अधिकार है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म के मूल में सद्भाव और सहिष्णुता है, इसीलिए यह मानव धर्म और विश्व धर्म भी है। मोहन भागवत ने सभी क्षेत्रों में भारत में हो रहे विकास और अंतर्राष्ट्रीय जगत में बढ़ रही साख का उल्लेख करते हुए इसके खिलाफ दुनिया की कई ताकतों की साजिशों के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि कई देश भारत की दुनिया में बढ़ते प्रभुत्व को रोकने के लिए बांग्लादेश की तरह सरकार के खिलाफ असंतोष फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए समाज में मौजूद विविधताओं को अलगाव में परिवर्तित कर आपस में आपस में टकराव पैदा करने की साजिश चल रही है। एक सोची समझी रणनीति के तहत देश की कानून, सरकार व अन्य संस्थाओं के प्रति अविश्वास का वातावरण तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यायी राजनीति (अल्टरनेटिव पालिटिक्स) की आड़ में ऐसे तत्व अपना एजेंडा चला रहे हैं। इसी कारण कुछ दलों में अपने स्वार्थ के आगे समाज की सद्भावना और राष्ट्र की एकात्मकता गौण हो गया है। भागवत के अनुसार यह सिर्फ षड़यंत्र की कहानी भर नहीं है, बल्कि इसका परिणाम कई पश्चिमी देश इसे झेल रहे हैं। मोहन भागवत ने कहा कि स्थापना के शताब्दी वर्ष पूरा होने के बाद आरएसएस अगले साल से सामाजिक विभाजन की खाई को पाटने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाएगा। उनके अनुसार सामाजिक समसरता और सद्भावना संगठित समाज की पहली शर्त है। लेकिन विचित्र विषमता के शिकार हिंदू समाज ने अपने देवताओं और संतों को भी बांट लिया है। सामाजिक एकरूपता का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि मंदिर, पानी और शमसान सबके लिए खुला होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने सभी जातियों की प्रबुद्ध लोगों और संस्थाओं को आपस में बैठकर रास्ता निकालने की सलाह दी।

प्रधानमंत्री ने पीएम ...

को विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत किया गया है। नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है और ज्ञान साझा करने पर समझौता ज्ञापन पर काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने ओडीओपी अनुभूति केंद्र का भी दौरा किया और देश भर के विभिन्न जिलों के उत्पादों के चयन, ब्रांडिंग और प्रचार में मदद करने के लिए ओडीओपी पहल द्वारा की गई प्रगति की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि गतिशक्ति की बदौलत भारत विकसित भारत के अपने सपने को पूरा करने की दिशा में गति बढ़ा रहा है। इससे प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग करते हुए संबंधित मंत्रालयों और विभागों द्वारा अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे कोयला, इस्पात, उर्वरक, बंदरगाह, खाद्य और सार्वजनिक वितरण आदि के पहले और कनेक्टिविटी मुद्दों से संबंधित 156 बुनियादी ढांचे की कमियों की भी पहचान की गई है। डिजिटल सर्वेक्षणों के साथ, परियोजना की तैयारी अब तेज और अधिक सटीक गति से हो रही है। रेल मंत्रालय ने सिर्फ एक साल में 400 से ज़्यादा रेलवे परियोजनाओं और 27,000 किलोमीटर रेलवे लाइनों की योजना बनाई है। नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) सुसंगत बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालयों में प्रयासों को समन्वित कर रहा है। 81 एनपीजी बैठकों के साथ, 15.48 लाख करोड़ रुपए की 213 परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया है। बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र एक और प्रमुख फोकस क्षेत्र है। 1,500 से अधिक जीआईएस डेटा परतों से जुड़े मोबाइल ऐप का उपयोग करके 29,000 बस्तियों में 45 लाख पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) (11 लाख परिवार) का मानचित्रण किया गया है। पीएम गतिशक्ति आंगनवाड़ी केंद्रों के स्थानों की प्रभावी रूप से योजना बनाने में मदद कर रही है। यह अधिक पोषण संबंधी आवश्यकताओं वाले आंगनवाड़ी केंद्रों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद कर रही है। इसका उपयोग स्कूलों द्वारा जिला-विशिष्ट कौशल पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए जिलों में प्रमुख उद्योगों की पहचान करने के लिए भी किया गया है।

सोशल मीडिया पोस्ट ...

साल से पश्चिम त्रिपुरा जिले के नेताजीनगर में अपनी मां के साथ रह रही थी। पुलिस अधिकारी ने आगे की जानकारी साझा करते हुए बताया कि रविवार को उसकी पत्नी ने दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान दो पुरुष मित्रों के साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपलोड की थीं। तस्वीरें देखकर पति भड़क गया और उसने उसे जान से मारने की साजिश रची। इस मामले में आगे की जानकारी देते हुए पश्चिम त्रिपुरा के एसपी किरण कुमार के ने पत्रकारों को बताया कि जब मां और बेटी घर लौट रही थीं, तो आरोपी ने उन दोनों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। एसपी कुमार ने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शवों को खून से लथपथ पाया। आरोपी को एक घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने आगे बताया कि मामले की जांच चल रही है और उसे स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग...

लेकिन आपने हमारे भाई की जान ले ली। आज बाबा सिद्दीकी की शालीनता का पूल बंद हो गया है या एक समय वह दाऊद के साथ मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) के तहत था। उनकी मौत का कारण बॉलीवुड, राजनीति और प्रॉपर्टी डीलिंग में दाऊद और अनुज थापन से उनके संबंध थे। पोस्ट में आगे लिखा है कि हमारी किसी से कोई निजी दुश्मनी नहीं है। हालांकि, जो कोई भी सलमान खान या दाऊद गैंग की मदद करता है, उसे तैयार रहना चाहिए। अगर कोई हमारे किसी भाई को मरवाता है, तो हम जवाब देंगे। हम कभी पहले वार नहीं करते। जय श्री राम, जय भारत, शहीदों को सलाम। बता दें कि पोस्ट के वायरल होने के बाद मुंबई पुलिस ने कहा कि वे इसकी प्रामाणिकता की जांच कर रही है।

...दुनिया में जल्द ...

इस तकनीक से देशों की सुरक्षा और डिजिटल नेटवर्क पर गंभीर खतरा मंडराने लगेगा। बता दें कि एथोस सलोमी ने पहले भी कई भविष्यवाणियां की थीं, जिनमें कोरोना महामारी का प्रसार, रूस का यूक्रेन पर आक्रमण, और ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ की मृत्यु जैसी भविष्यवाणियां शामिल थीं, जो बाद में सच साबित हुईं। इसके अलावा, उन्होंने एलियंस से इंसानों की मुलाकात, एस्ट्रॉयड के धरती से टकराने, और प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं की भी भविष्यवाणी की है। एथोस सलोमी ब्राजील के निवासी हैं और एक मनोवैज्ञानिक व एस्ट्रोलॉजर के रूप में जाने जाते हैं। उनके बारे में ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है, क्योंकि वह अपनी निजी जिंदगी को सीक्रेट रखते हैं। 16वीं शताब्दी के मशहूर भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस की भविष्यवाणियों के समानता के कारण लोग एथोस को *जिंदा नास्त्रेदमस* कहते हैं। उन्होंने दावा किया है कि उनकी भविष्यवाणियां नास्त्रेदमस की तरह ही सटीक हैं।

ईरानी आर्मी चीफ ...

किया है। दूतावास ने कहा कि मीडिया में छप रही खबर फर्जी है और हम इस आरोप का दृढ़ता से खंडन करते हैं कि इस्माइल कानी एक मोसाद एजेंट है। उन्होंने कहा कि आईआरजीसी पहले ही घोषणा कर चुका है कि लड़ाई में योगदान के लिए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई उन्हें शीर्ष सैन्य पदक से सम्मानित करेंगे। इन आरोपों की शुरुआत 4 अक्तूबर को बेरूत में इजरायली हमले में हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की हत्या के बाद हुई। नसरल्लाह की मौत के बाद इस्माइल कानी पर शक किया जा रहा है कि उन्होंने इजरायल को गोपनीय जानकारी दी, जिसके आधार पर हिजबुल्लाह के शीर्ष नेताओं को निशाना बनाया गया। साथ ही, हिजबुल्लाह के उत्तराधिकारी हाशेम सफीदीन के लापता होने के बाद इन आरोपों को और बल मिला है।सूत्रों के अनुसार, कानी उस बैठक में नहीं थे, जिसमें नसरल्लाह मारे गए थे, लेकिन उनके गायब होने की खबरों ने कई तरह की अटकलें शुरू कर दीं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस्राइली हमलों में शामिल जासूसी गतिविधियों में कानी की भूमिका हो सकती है, जिसके चलते ईरान में उनका जांचा जा रहा है। हालांकि, कुद्स फोर्स के डिप्टी कमांडर और पूर्व ईरानी राजदूत इराज मस्जिदी ने बयान दिया है कि कानी अच्छे स्वास्थ्य में हैं और अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। फिर भी ईरान के सैन्य अधिकारियों में इस बात की चिंता है कि इजरायल ने रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के भीतर घुसपैठ कर ली है, विशेष रूप से उन अधिकारियों के बीच जो लेबनान और गाजा में काम कर रहे हैं। इस्माइल कानी, जिन्हें जनवरी 2020 में कासिम सुलेमानी की मौत के बाद कुद्स फोर्स का प्रमुख नियुक्त किया गया था, अब गहन जांच के घेरे में हैं। उनके खिलाफ लगे ये आरोप ईरान की सेना और सुरक्षा तंत्र के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकते हैं। मंगलवार को खबर आई कि कानी को क्रूर पूछताछ के दौरान दिल का दौरा पड़ गया। कानी की स्थिति को लेकर ईरानी प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन इस घटना ने ईरान की सुरक्षा एजेंसियों में हलचल पैदा कर दी है। फिलहाल कानी के खिलाफ जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस मामले में और भी खुलासे हो सकते हैं।

विसर्जन जुलूस के ...

तनाव का माहौल बना हुआ है। बता दें कि यह मामला जिले के हरदी थाना क्षेत्र के महाराज गंज बाजार की है, जहां पर बाजार निवासी अब्दुल हमीद के घर के सामने से निकल रहे जुलूस में लोग जयकारा लगा रहे थे। इसी दौरान मूर्तियों पर लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। पथराव के बीच ही उपद्रवियों ने गोली चला दी। गोली लगने से रेहुआ मंसूर गांव निवासी राम गोपाल मिश्रा (22) पुत्र कैलाश नाथ उर्फ पुताई घायल हो गए। जिसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन मेडिकल कॉलेज बहराइच में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह सूचना महाराज गज बाजार पहुंची तो लोगों ने वाहनों में तोड़फोड़ कर आग लगा दिए। चार मकान जलाकर राख हो गई। मौके पर कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ पीएससी के जवान पहुंचे हैं। लेकिन गांव के लोगों ने चारों तरफ कई लोगों को घेर रखा है। मूर्तियों का विसर्जन रोक दिया गया है।

ट्रेनिंग के दौरान ...

दौरान दो अग्निवीर- गोहिल विश्वराजसिंह और सैफत शित की मौत का उदाहरण दिया। उनके परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए राहुल ने कहा कि यह घटना एक बार फिर अग्निवीर योजना पर गंभीर सवाल उठाती है, जिनका जवाब देने में भाजपा सरकार असफल रही है। उन्होंने पूछा कि क्या गोहिल और सैफत के परिवारों को समय पर मुआवजा मिलेगा, जो किसी अन्य जवान की शहादत के बराबर हो? अग्निवीरों के परिवारों को पेंशन और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ क्यों नहीं मिलेगा? जब दोनों ही सैनिकों की जिम्मेदारियां और बलिदान समान हैं तो उनके शहादत के बाद यह भेदभाव क्यों? राहुल गांधी ने लोगों से अपील की कि मिलकर इस अन्याय के खिलाफ खड़े हों। भाजपा सरकार की अग्निपथ योजना को खत्म करने और सेना के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए हमारे *जय जवान* आंदोलन से जुड़ें।

आठ करोड़ रुपए के ड्रग्स के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज जिले के बदरपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर आठ करोड़ रुपए मूल्य के ड्रग्स समेत चार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि मिजोरम से आ रही कार से तलाशी के दौरान प्लास्टिक की 48 साबुनदानी में छुपा कर रखे गए 548.82 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया है। इस मामले में चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान अब्दुल वासित, फइजुल हक, ताजुद्दीन और नसीमुद्दीन के रूप में की गई है। गिरफ्तार सभी आरोपी करीमगंज जिले के पाथारकान्दी के रहने वाले बताए गए हैं। गिरफ्तार सभी तस्कर कार के जरिए जब्त की गई हेरोइन को मिजोरम से करीमगंज लेकर आ रहे थे। जब्त की गई हेरोइन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 8 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

विजयादशमी : गुवाहाटी समेत राज्य के विभिन्न घाटों पर लोगों की उमड़ी भीड़

गुवाहाटी (हिंस)। पूरे देश के साथ गुवाहाटी में भी दुर्गा मूर्तियों का विसर्जन शुरू हो गया है। जो दो दिनों तक चलेगा। राजधानी गुवाहाटी के विभिन्न घाट जैसे लाचित घाट, सुनचाली घाट, पांडू घाट समेत विभिन्न घाटों पर सुबह से ही बड़ी-बड़ी मूर्तियों का विसर्जन किया जा रहा है। पांडू घाट पर क्रेन की व्यवस्था की गई है। इनकी मदद से बड़ी मूर्तियों को विसर्जित किया जा रहा है। गुवाहाटी के विभिन्न घाटों पर प्रतिमाओं का विसर्जन दो दिनों तक चलेगा। वहीं छोटी मूर्तियों का विसर्जन शनिवार से ही शुरू हो गया था। विसर्जन के अवसर पर प्रशासन की ओर से गुवाहाटी के सभी घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया गया है। पांडू घाट को सबसे पुराना घाट माना जाता हैं। यहां पर सिर्फ इलाके की ही नहीं गुवाहाटी के अन्य हिस्सों से प्रतिमाएं विसर्जित करने के लिए जाती हैं। बड़ी मूर्तियों को विसर्जित करने के लिए क्रेन की व्यवस्था हैं। विसर्जन के लिए घाटों को सुंदर तरीके से सजाया गया है। प्रतिमा विसर्जन को देखने के लिए विभिन्न घाटों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। घाटों की सुरक्षा के लिए प्रशासन की ओर से कड़ी व्यवस्था की है। सुरक्षा के मद्देनजर एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जल पुलिस, दमकल वाहिनी, जीएमसी, चिकित्सा सेवा, सिविल सर्विस, पुलिस, आरपीएफ जवान, विद्युत विभाग, स्वयं सेवक व प्रशासनिक विभाग को तैनात किया गया है। हर साल की तरह पांडू घाट पर प्रशासन एवं प्रतिमा विसर्जन कमेटी के सहयोग से दो दिनों तक दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन का आयोजन किया गया है। इस विसर्जन को ध्यान में रखते हुए विसर्जन समिति की ओर से पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। जिसमें विभिन्न विभागों में पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। साथ ही प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा मां दुर्गा विसर्जन के मद्देनजर दुर्गा पूजा समितियों में एक प्रतियोगिता का आयोजन किया है। जिसके तहत प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त समिती को नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

प्रदेश भाजपा चुनाव समिति की बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। आज राजधानी के खानापाड़ा स्थित कइनाधरा स्टेट गेस्ट हाउस में असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी चुनाव समिति की एक अहम बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भबेश कलिता, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, राज्य प्रभारी हरीश द्विवेदी, प्रदेश सांगठनिक महासचिव जीआर रवींद्र राजू और चुनाव समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राज्य की पांच विधानसभा सीटों पर आने वाले दिनों में उप चुनाव होने वाले हैं। पांच सीटों में से तीन सीटों पर भाजपा अपने उम्मीदवार उतारेगी, जबकि दो सीटों पर सहयोगी पार्टी अगप और यूपीपीएल अपने उम्मीदवार उतारेगी। आज की भाजपा की बैठक के पीछे संभवत: तीन सीटों पर उम्मीदवारों के चयन और चुनावी रणनीति को लेकर चर्चा होने की बातें कही जा रही हैं।

भाजपा विधायक के भाई ने की खुदकुशी

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर के भाजपा विधायक मानव डेका के भाई ने आत्महत्या कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिया। इस घटना को लेकर इलाके में सनसनी व्याप्त है। मिली जानकारी के अनुसार लखीमपुर इलाके में स्थित मानव डेका के आवासीय कार्यालय के एक कमरे से बीती देर रात को विधायक के भाई कल्याण डेका का शव बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार असम सचिवालय में कर्मरत कल्याण डेका काफी लंबे समय से मानसिक दबाव में थे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लखीमपुर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। विधायक के भाई द्वारा पूजा के समय आत्महत्या किए जाने के बाद पूरे इलाके में मातम फैल गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

शंकरदेव की जयंती पर शराब की दुकानें बंद रहीं

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में शनिवार से ही महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की आविर्भाव तिथि मनाई जा रही है। वहीं, कई हिस्सों में आज भी शंकरदेव तिथि मनाई जा रही हैं। सरकारी छुट्टियों की सूची के अनुसार श्रीमंत शंकरदेव की जयंती पर रविवार यानी 13 अक्तूबर को सरकारी छुट्टी घोषित की गई है। इसलिए श्रीमंत शंकरदेव की जयंती 13 अक्तूबर होने के कारण प्रदेश में शराब की बिक्री आज बंद रही। आबकारी विभाग द्वारा आज ड्राई डे की घोषणा की गई थी। उल्लेखनीय है कि असम में 26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्तूबर और श्रीमंत शंकरदेव के आविर्भाव की तिथि पर ड्राई डे की घोषणा की जाती है। अगर इनके अलावा किसी विशेष कारण से राज्य में ड्राई डे की घोषणा करनी होती है, तो राज्य सरकार निर्देश जारी करती है।

हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट जिले के मरियानी इलाके में दुर्गा पूजा महोत्सव के बीच एक व्यक्ति की दाव से हमला कर बड़ी ही बेरहमी से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि बीती रात मरियानी के नागाजांका चापरी लाइन इलाके में हत्या की घटना घटी है। मृतक व्यक्ति की पहचान भूपेन भराली के रूप में की गई है। भूपेन मरियानी के नागाजांका के शांतिपुर का निवासी बताया गया है। बताया गया है कि देवा ग्वाला नामक व्यक्ति ने अपने घर के सामने बड़ी बेरहमी से दाव से हमला कर भूपेन को मौत के घाट उतार दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी देवा ग्वाला के खून से सना दाव लेकर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आरोपी ने पुलिस को बताया है कि उसकी बहन के साथ भूपेन का प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसके चलते उसने उसकी हत्या कर दी।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, एक घायल

गोलाघाट (हिंस)। गोलाघाट जिले के बोकाखात इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर हुई दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, एक व्यक्ति को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि बोकाजान के बरजुरी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर हुई सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल बोकाखात सापजुरी बहाली गांव निवासी दिलूराम बाउरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि, मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। बताया गया है कि स्कूटी को किसी अज्ञात वाहन द्वारा ठोकर मारे जाने के चलते यह हादसा हुआ है।

विश्वनाथ : सिंदूर खेला के साथ चार दिवसीय शारदीय दुर्गा पूजा संपन्न

विश्वनाथ (विभास)। राज्यों के अन्य हिस्सों के तरह विश्वनाथ जिला में भी विजया दशमी के शुभ अवसर पर भक्तों ने नम आंखों से मां दुर्गा को बह्मपुत्र नद में विसर्जन दिया। सर्वप्रथम पुजारी के मंत्र उच्चारण और विधि विधान द्वारा कल दिशमी पूजा संपन्न किया। पुजारी ने वेद की मंत्र उच्चारण से मां दुर्गा के प्रतिबिंब को पात्र में गंगा जल समाहित में दर्शन करवाकर विसर्जित किया। इधर आज सभी पूजा पंडाल में मां को अंतिम दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की तांता लगा रहा। विश्वनाथ चारिआलि के बहु बजार में स्थित शिवाजी संघ के दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में विजया दशमी के शुभ क्षण में भक्तों की भीड़ उमड़ी। महिलाएं मां दुर्गा के श्रीचरणों में आशीर्वाद लेते हुए मां दुर्गा के मुंह में विभिन्न मिठाई खिलाते हुए दिखाई दी। इधर श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के समीप अस्त्र पूजन की। साथ ही मां के गालों से

पान के द्वारा आशीष ली। श्रद्धालुओं के चेहरे पूजा उत्साह की रौनक छायी रही। इधर विद्यार्थी भी अपने पुस्तक को मां दुर्गा के श्रीचरणों में रखकर प्रणाम किया। महिलाएं एक दूसरे महिलाओं के गालों में सिंदूर खेलते हुए नजर आए। सभी महिलाएं ढाक के धुन में नृत्य की। तत्पश्चात् विश्वनाथ चारिआलि के दुर्गा पूजा पंडालों के मां दुर्गा की प्रतिमा को भक्तों द्वारा नृत्य करते हुए गुप्त काशी विश्वनाथ घाट में विसर्जन दिया गया। विश्वनाथ चारिआलि शहर के प्राय: 60 दुर्गा पूजा पंडाल के प्रतिमा को नम आंखों से विदाई दिया गया। साथ ही विश्वनाथ जिले के ढोली, पाभोई, बरगांग, बिहाली, हेलेम, गहपुर, सोतिया आदि स्थानों में दुर्गा पूजा की रौनक छाई रही। जिले के सभी पूजा पंडाल में जातीय स्वरूप तथा स्वभाषा का ज्ञान अंकन किया गया। प्राय: पूजा समिति द्वारा समाज में एक जागरूकता लाने की चेष्टा की गई। इधर पाभोई रोड के शिवाजी संघ द्वारा केंद्र सरकार द्वारा असमीया भाषा को शास्त्रीय भाषा प्रदान करने का गौरवमय उपलब्धि को साझा करने के उद्देश्य अपने पूजा पंडाल में स्वभाषा के स्वर वर्ण, व्यंजन वर्ण, मात्रा और संख्या का अंकित किया। यह पूजा पंडाल बुजुर्ग, सामाजिक व्यक्तियों, शिक्षाविद तथा बच्चों में आकर्षण का केंद्र बिंदु बना। सभी भक्त इस पंडाल में फोटोशूट लेते नजर आए।

विहिप ने दुर्गाष्टमी समेत मातृ शक्ति दिवस का किया आयोजन

गुवाहाडी। विश्व हिंदू परिषद फैंसी बाजार प्रखंड समिति द्वारा दिनांक 11 अक्तूबर, 2024 को श्री श्री दुर्गाष्टमी उत्सव तथा मातृ शक्ति दिवस का भव्य कार्यक्रम गुवाहाटी, फैंसी बाजार स्थित श्री सूरजमल जुहारमल संगनेरिया धर्मशाला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड की मातृ शक्ति प्रमुख श्रीमती सरोज जालान ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद गुवाहाटी महानगर के सभापति शुभराम बोरा थे। साथ ही मंच पर प्रखंड के सभापति प्रमोद मुरारका, नवरत्न चौरड़िया, श्रावण संगनेरिया, पराग अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड के सचिव अशोक गाड़ोदिया और श्रीमती सुनीता भिलवाड़िया ने किया। स्वागत भाषण श्रीमती ममता अग्रवाल और संभ्या का उद्देश्य श्रीमती पुष्पा खेमका ने दिया। कार्यक्रम को मातृ शक्ति दिवस के रूप में केंद्रित करते हुए रानी दुर्गावती तथा राजमाता अहिल्याबाई होलकर पर एक बौद्धिक सत्र भी हुआ जो श्रीमती अनिता भारद्वाज ने किया। साथ ही महागौरी पूजन, भारतमाता पूजन, कन्या पूजन भी हुआ। इसके अलावा एक मनोरम सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी हुई जिसमें श्री रतन गुप्ता और साथी द्वारा माता का भजन गाया गया, एक सुंदर कथक नृत्य मां दुर्गा को केंद्रित कर प्रस्तुत किया गया तथा मातृ शक्ति द्वारा सुंदर गरबा नृत्य का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिषद जुड़े कई लोगों को भी सन्मानित किया गया। एक स्मरणिका *महागौरी* प्रथम अंक का भी उन्मोचन किया गया जिसके संपादक प्रखंड के प्रभारी तथा विहिप गुवाहाटी महानगर के सह सचिव गोविंद वासुदेव गोस्वामी थे। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य अतिथि उपस्थित थे जिनमें संतलाल मित्तल, आरएसएस से पवन स्वामी, नटवर शर्मा, मनोज सिंह, विक्रम आदित्य तिवारी, डॉ. रामावतार शर्मा, लूना गोस्वामी, सोनिया भुवालका, डॉ. अजय अग्रवाल, विजय सिंगोदिया, आदर्श शर्मा, चंद्रप्रकाश संगनेरिया, गंगा रतन सिंघानिया, अभय घोषाल, तनसुख राठी, महाबल चौरड़िया, अंकित जोधानी, शैलधर कलिता, रतुल डेका उपस्थित थे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड के प्रचार सचिव तथा आयोजन समिति के सभापति मनमोहन सिकरिया ने दिया। कार्यक्रम का संचालन मातृ शक्ति द्वारा ही किया गया। इस तरह का कार्यक्रम प्रथम बार प्रखंड द्वारा आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित संख्या में 80 प्रतिशत महिलाएं थीं।

कार से चोरी की 12 बकरियां बरामद, दो लोग गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत रंगिया के समीप हुई एक सड़क दुर्घटना के बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार से चोरी की 12 बकरियों को बरामद किया है। इस मामले में दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि रंगिया के समीप केंदुकोना इलाके में तेज रफ्तार कार (एएस 01ईजेड-7046) डिवाइडर से जा टकराई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग कार चालक और कार में सवार लोगों को बचाने के लिए मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने कार के अंदर कई बकरियों को देखा। घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते

ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने कार से चुराई गई 12 बकरियों को बरामद कर लिया। वहीं इस मामले में दो बकरी चोरों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों को चकमा देकर दो बकरी चोर मौके से फरार होने में सफल रहे। कार से बरामद की गई सभी बकरियों को रंगिया इलाके से चुराने के बाद चोर भाग रहे थे, हड़बड़ी के चलते कार डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस से संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

रंगिया : एसएसबी ने हर्षोल्लास के साथ मनाया नवरात्रि एवं दुर्गा पूजा उत्सव

रंगिया (विभास)। रंगिया के मोरानजना स्थित सशस्त्र सीमा बल प्रांगण में क्षेत्रक मुख्यालय एवं 24वीं वाहिनी के समस्त बल कर्मियों एवं उनके परिवार जनों द्वारा बड़े ही हर्षोल्लास के साथ माता दुर्गा का पूजन एवं नवरात्री उत्सव मनाया गया। इस दौरान क्षेत्रक मुख्यालय, रंगिया के उप-महानिरीक्षक राजीव राणा और 24वीं वाहिनी के कमांडेंट दीपक सिंह द्वारा उपस्थित सभी बल कर्मियों व उनके परिवारजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत 24वीं वाहिनीं के प्रांगण में स्थित मंदिर में भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें समस्त बल कर्मियों और उनके परिवारजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके अलावा मुख्यालय प्रांगण में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत बल कार्मिकों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक

कार्यक्रम और दौरान बच्चों के बीच चित्रांकन और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई, प्रतियोगिता में बल कार्मिकों के बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं कार्मिकों ने तंबोला खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम के समापन के मौके पर बल क्षेत्रक मुख्यालय के उप-महानिरीक्षक राजीव राणा ने विभिन्न प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान बल क्षेत्रक मुख्यालय के उप महानिरीक्षक राजीव राणा, बल की 24वीं वाहिनी के कमांडेंट दीपक कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी जसवीर सिंह, उप कमांडेंट (संचार) प्रमोद कुमार, उप कमांडेंट विश्वनाथ मिश्रा, सहायक कमांडेंट लालसंगलूर, और संदीक्षा परिवार एवं समस्त बलकर्मी मौजूद रहे।

आचार्य शांतिसागर महाराज का आचार्य पदारोहण दिवस

ईटानगर। नाहरलागुन में विराजमान आर्यिका प्रतिज्ञाश्री माताजी एवं प्रेक्षाश्री माताजी द्वारा धर्म-चर्चा में पुरे भारत में मनाये जा रहे 20वीं सदी के महान प्रथमाचार्य आचार्य शांतिसागर महाराज के आचार्य पदारोहण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान युग में अनेक तपस्वी, ज्ञानी, ध्यानी दिगंबर संत हुए। उनमें आचार्य शांतिसागर महाराज एक ऐसे तपस्वी साधु हुए, जिनकी अगाध विद्वता, कठोर तपश्चर्या, प्रगाढ़ धर्म श्रद्धा, आदर्श चरित्र और अनुपम त्याग ने धर्म की यथार्थ ज्योति प्रज्ज्वलित की। आपने लुप्तप्राय शिथिलाचार ग्रस्त मुनि परंपरा का पुनरुद्धार कर उसे जीवंत किया। यह निग्रंथ श्रमण परंपरा आपकी ही कृपा से अनवरत रूप से आज तक प्रवाहमान है। गुरु मां ने आचार्य श्री के जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि इनका जन्म-दक्षिण भारत के प्रसिद्ध नगर बेलगाँव के समीप येलगुल गांव में हुआ था। पिता भीमगौड़ा और माता सत्यवती के आप तीसरे पुत्र थे। आप बचपन से ही वैरागी थे। लौकिक आमोद-प्रमोद से सदा दूर रहते थे। छोटी सी उम्र में ही आपके दीक्षा लेने के परिणाम

थे। परंतु माता-पिता के आग्रह के कारण दीक्षा न लेकर घर में धर्मसाधना करते थे। एक दिन जंगल के मंदिर में ध्यान करते वक्त असंख्य चीटियां आपके शरीर पर चढ़ गई एवं देह के कोमल अंग-उपांग को एक-दो घंटे ही नहीं सारी रात खाती रहीं तब भी वे साम्य भाव से परीषह सहन करते रहे। माता -पिता के समाधिस्थ बाद वे अपने आपको रोक नहीं पाए और दिगंबरी दीक्षा लेकर कठोर साधना करने लगे। वे मुनि परंपरा के लिए आदर्श मिसाल थे। उनका जीवन संयम, साधना और तपस्या की अद्भुत गाथा है। उनको 13 अक्तूबर 1924 को चतुर्विध संघ ने आचार्य पद से सुशोभित किया था। आज 13 अक्तूबर को पूरे 100 वर्ष होने के उपलक्ष में महान दिगंबर जैनाचार्य शांतिसागर महाराज का यह वर्ष शताब्दी वर्ष के रूप में मनाने का पूरे भारतवर्ष की जैन समाज ने निर्णय लिया है। गुरु मां ने कहा कि आचार्य शांतिसागर महाराज के जीवन में अनेक उपसर्ग आए। जिन्हें समता पूर्वक सहन करते हुए आपने शांतिसागर नाम को सार्थक किया। 18 सितंबर 1955 को प्रात: 6:50 पर सिद्धोऽहं का ध्यान करते हुए आचार्य श्री ने नश्वर देह का त्याग कर दिया। इस अवसर पर गुरु मां ने कहा आज 13 अक्तूबर को डिमापुर चातुर्मास रत गुरूवर आचार्य 108 श्री प्रमुख सागर जी महाराज का भी 24वां मुनि दीक्षा दिवस है। उनकी ऐसे ही निर्विघ्न तप- त्याग-संयम-साधना चलती रहे और शीघ्र मोक्ष की प्राप्ति हो। यह प्रेस विज्ञप्ति नाहरलागुन अरूणमय पुष्प प्रमुख वर्षायोग समिति द्वारा दी गई।

संपादकीय

शोक का 'रतन' नहीं

हर आंख नम हुई, रोई भी...हर किसी को लगा मानो उसका अपना कोई चला गया...मौत पर ही रुदन क्यों होता है, जबकि वह शाश्वत है? विदाई पर भी आंखें रोती हैं, लेकिन उसमें सुखद एहसास भी निहित होता है। विख्यात, महान उद्योगपति एवं राष्ट्रवादी रतन टाटा हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन यह शोक मनाने का समय नहीं है। शोक और रुदन के 'रतन' नहीं हुआ करते। देश के इस 'अनमोल रतन' की विदाई पर समारोह मनाए जाने चाहिए। रतन टाटा ऐसी शख्सियत थे, जिन्हें 'भूषण' और 'ध्रुवतारे' की उपमा भी दी गई। यदि अब उन्हें 'भारत-रत्न' का सर्वोच्च सम्मान भी दिया जाता है, तो वह सम्मान ही अलंकृत और गौरवान्वित होगा। रतन टाटा भारत माता के 'महानायक' थे। देश उनकी सांसों में बसा था। उनकी हर परियोजना में भारत और उसका चौतरफा विकास ही समाया था। वह इसलिए महान और विख्यात नहीं थे कि अरबों डॉलर की कंपनियों के वह सर्वेसर्वा थे, छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में उनका औद्योगिक साम्राज्य फैला था, सुई, नमक से विमान तक का उत्पादन कंपनियों ने किया। उन्होंने टाटा को 'वैश्विक रतन' बना दिया। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के अधिग्रहण किए। दरअसल रतन टाटा सादगी, सरलता, मानवता, परोपकार और नैतिकता की जीवंत 'किंवदन्ती' बन गए थे, लिहाजा उनके निधन पर आम आदमी भी भावुक, मर्माहत हुआ। यही जिंदगी की संपूर्णता है। उन्होंने न जाने कितने संस्थान स्थापित किए। कैंसर अस्पताल बनाया, जहां 70 फीसदी मरीजों का मुफ्त इलाज किया जाता है। उनके कुत्ता-प्रेम में भी मानवीय मूल्य थे। अपने पालतू कुत्ते की तबीयत ठीक न होने के कारण उन्होंने ब्रिटिश राजशाही का 'लाइफटाइम सम्मान' लेने का कार्यक्रम भी रद्द कर दिया था। अभी अंतिम यात्रा के दौरान उनका पालतू कुत्ता 'गोवा' उनके पार्थिव शरीर के साथ ही बैठा रहा और मातम मनाता रहा। देश के 'अनमोल रतन' ने आदिवासियों की शिक्षा के लिए आर्थिक मदद की, तो कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भारत सरकार को 1500 करोड़ रुपए का सहयोग देने का संकल्प लिया। मुंबई के 26/11 आतंकी हमले का दौर भी याद आता है। सुरक्षाकर्मी एक तरफ खुले में आराम करते थे, खाना-पीना करते थे, कपड़े तक बदलते थे। आतंकवाद के उन लम्हों में उन्हें तैनात किया गया था। अपने होटल से निकलते हुए रतन टाटा ने सुरक्षा कर्मियों को देखा और तुरंत फैसला लिया कि वे होटल के भीतर ही रहेंगे। वहीं से अपने ऑपरेशन के लिए जाएंगे। मानवता का यह दुर्लभ, अभूतपूर्व उदाहरण है। असम के चाय बागानों में मजदूरों की स्थिति और कार्य-संस्कृति में रतन टाटा ने कई सुधार किए। दरअसल वह श्रम-समर्थक उद्योगपति इसलिए बन पाए, क्योंकि उनके भीतर मानवता कूट-कूट कर समाई थी। वह इनसान पहले थे और बहुत बाद में व्यापारी थे। रतन का मूलमंत्र था कि सत्ता और धन उनके प्रमुख सिद्धांत नहीं हैं। ऐसी शख्सियत के निधन पर शोक क्यों मनाया जाए? उन्होंने भरपूर जीवन जिया और मौज से जिया। वह अरबपति, कुबेरपति की श्रेणी के सम्पन्न, धनाढ्य पुरुष थे, लेकिन बिल्कुल निर्लिप्त थे। जीवन, समाज और देश ने ही उन्हें 'टाटा' बनाया, यहीं से उन्होंने मुनाफा भी कमाया, लेकिन हर क्षेत्र को अपना धन भी समर्पित किया। भारत की बुनियाद को ठोस करते रहे। ऐसे थे हमारे 'अद्भुत रतन'! आज बहुत कुछ याद आ रहा है, लेकिन बहुत कुछ भूलने का भी भय है, क्योंकि रतन घटनाओं और उदाहरणों के भंडार थे। उन्होंने कारोबार विश्व स्तर पर किया, लेकिन कभी नैतिक उसूलों से समझौता नहीं किया। कभी भ्रष्ट या अनैतिक होने की कोशिश तक नहीं की।

शोक और रुदन के 'रतन' नहीं हुआ करते। देश के इस 'अनमोल रतन' की विदाई पर समारोह मनाए जाने चाहिए। रतन टाटा ऐसी शख्सियत थे, जिन्हें 'भूषण' और 'ध्रुवतारे' की उपमा भी दी गई। यदि अब उन्हें 'भारत-रत्न' का सर्वोच्च सम्मान भी दिया जाता है, तो वह सम्मान ही अलंकृत और गौरवान्वित होगा। रतन टाटा भारत माता के 'महानायक' थे। देश उनकी सांसों में बसा था। उनकी हर परियोजना में भारत और उसका चौतरफा विकास ही समाया था। वह इसलिए महान और विख्यात नहीं थे कि अरबों डॉलर की कंपनियों के वह सर्वेसर्वा थे, छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में उनका औद्योगिक साम्राज्य फैला था, सुई, नमक से विमान तक का उत्पादन कंपनियों ने किया। उन्होंने टाटा को 'वैश्विक रतन' बना दिया। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के अधिग्रहण किए। दरअसल रतन टाटा सादगी, सरलता, मानवता, परोपकार और नैतिकता की जीवंत 'किंवदन्ती' बन गए थे, लिहाजा उनके निधन पर आम आदमी भी भावुक, मर्माहत हुआ। यही जिंदगी की संपूर्णता है। उन्होंने न जाने कितने संस्थान स्थापित किए। कैंसर अस्पताल बनाया, जहां 70 फीसदी मरीजों का मुफ्त इलाज किया जाता है। उनके कुत्ता-प्रेम में भी मानवीय मूल्य थे।

पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है

पत्रकारों की स्वतंत्रता को बल देती सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में शुक्रवार को कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। जस्टिस हृषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और संविधान के अनुच्छेद-19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है। असल में विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर आलोचनात्मक होने पर पत्रकार दमन का शिकार बने हैं। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के शिकार बने हैं। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में पत्रकार विभिन्न संकटों को झेलते हुए हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करते हैं। पत्रकार केवल खबरे पहुंचाने का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन एवं शासन-प्रशासन के प्रति जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है। पत्रकार देश की राजनीति, सरकारों और उसके लिए आवश्यक सदाचार का माध्यम रही है। हिंसा, विपत्तियां और भ्रष्टाचार को लेकर भी अनेक पक्ष उसने समय-समय पर प्रस्तुत किये हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की, उसने लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किये जाने की बात कहकर पत्रकारों को अधिक प्रखर, निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण होकर अपना धर्म निभाने का रास्ता साफ किया है। देखना है कि अदालत के इस फैसले का सरकारों एवं राजनीतिक दलों पर कितना असर होता है? अक्सर नेता, अधिकारी एवं मंत्री आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं। अक्सर वे अपनी ताकत का इस्तेमाल करते हुए पत्रकारों को दबाने एवं अपनी शर्तों पर पत्रकारिता कराने को बाध्य करते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी ही आक्रामकता राहुल गांधी में देखने को मिली जब उन्होंने प्रेस वार्ता में एक महिला पत्रकार को बेहूदे तरीके से किसी पार्टी विशेष की पक्षधर होने का आरोप लगाया, इसी तरह अखिलेश यादव ने भी एक पत्रकार को भला-बूरा कहा। ये दृश्य समूचे देश ने देखें।

यह एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र राष्ट्र के लिये अच्छा है कि अदालतें समय-समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करते हुए निर्भीक एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बल देती रही है। लेकिन विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हमारे राजनेता एवं सरकारें रह-रहकर पत्रकारों को डराने-धमकाने से बाज नहीं आते। हम देश में आम जनमानस को भी इतना जागरूक एवं सतर्क नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। गलत नीतियां एवं भ्रष्टाचार इसीलिये पनपता है। राजनेता सत्ता की सुविधा के लिये मनमाफिक प्रचार तो चाहते हैं, लेकिन अपने दागों, भ्रष्ट आचरण एवं गलत नीतियों से जुड़े सच को सात पर्दों में रखना चाहते हैं।

निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक पत्रकार एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। यही कारण है कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए प्रेस को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा।

पत्रकार कई संकटों का सामना कर रहे हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच पत्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं।

दृष्टि कोण

रोजगार सृजन के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण उपाय

हिमाचल प्रदेश में बेरोजगारी दर लगातार बढ़ रही है और वर्तमान में लगभग आठ लाख युवा बेरोजगार हैं। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर तेजी से घट रहे हैं। इसलिए युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है। हिमाचल की लगभग 66 प्रतिशत भूमि जंगलों से घिरी है, जहां कई प्रकार की बहुमूल्य जड़ी-बूटियां पाई जाती हैं। इसलिए, इन पर आधारित लघु उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सरकारी खाली भूमि को किराए पर देकर युवाओं को नकदी फसलें और जड़ी-बूटियां उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। पहले गांवों में नर्सरियां होती थीं, जिनसे वन विभाग पौधे खरीदता था, जिससे लोगों को रोजगार मिलता था। अब यह योजना बंद हो चुकी है, इसलिए इसे पुनः प्रारंभ करने की आवश्यकता है। 'वन लगाओ, रोजी कमाओ' जैसी योजनाओं को फिर से लागू करना चाहिए। सडक़ों के किनारे फलदार पेड़ लगाकर सरकार और स्थानीय युवाओं की सहभागिता से रोजगार के नए अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं। सूखे पेड़ों को समय पर बेचकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जा सकता है, क्योंकि गर्मियों में आगजनी के कारण वन संपदा का नाश हो जाता है। बंजर भूमि पर खैर, तुनी और चंदन के पेड़ लगाकर लोगों को करोड़ों का लाभ पहुंचाया जा सकता है। सरकार भांग की खेती को कानूनी रूप देने पर विचार कर रही है, जिससे कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर आदि जिलों में भांग की खेती की अपार संभावनाएं हैं। भांग का उपयोग कई प्रकार की दवाओं में होता है, और विदेशों में इसकी छाल से कपड़े भी बनते हैं। खड्डों की सामिलात भूमि को खनन विभाग द्वारा हर वर्ष औसत मूल्य पर बेचने का प्रयास किया जाना चाहिए, जिससे लोगों की निजी भूमि पर खनन के लिए अस्थायी पॉइंट्स प्रदान किए जा सकें। इससे सरकार को राजस्व मिलेगा और लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। हिमाचल प्रदेश में अधिकांश दूध और सब्जियां पंजाब से आती हैं, जो कि केमिकल युक्त होती हैं। यदि प्रदेश के युवा डेयरी फार्मिंग पर ध्यान दें, तो उन्हें उच्च गुणवत्ता वाला दूध और दही सस्ते दामों पर मिल सकता है। इसी प्रकार, युवाओं को मछली पालन, मुर्गी पालन और बकरी पालन के लिए सरकारी सब्सिडी और प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे रोजगार के लिए अन्य राज्यों में पलायन न करें। हिमाचल में छोटी-छोटी नदियों की भरपूरता है, और यहां जल खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करके रोजगार के नए अवसर बनाए जा सकते हैं। राज्य सरकार को जल आधारित मनोरंजक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय कदम उठाने चाहिए। पर्यटन के क्षेत्र में होमस्टे, पैराग्लाइडिंग, योग और धार्मिक पर्यटन को विकसित किया जा सकता है। इसके अलावा हिमाचल के फोक कल्चर जैसे करियाला, धाजा आदि को आधुनिक स्वरूप में रोजगारपरक बनाकर विकसित किया जा सकता है। मेरे विधानसभा क्षेत्र ज्वालामुखी में पैराग्लाइडिंग की अपार संभावनाएं हैं, जो न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराएगा। ज्वालामुखी के बिल पट्टियां, जोकि एक चंगर क्षेत्र है, में पैराग्लाइडिंग शुरू होने से टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा और लोकल लोग जो कि गरीबी में अपना जीवनयापन कर रहे हैं, उनको रोजगार भी मिलेगा। हिमाचल में कई ऐसे स्थान हैं जिनका ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है, जैसे ज्वालामुखी के मजिन क्षेत्र में एक भीम गोडा नामक स्थान पड़ता है, जिसका एक इतिहास है। सरकार को स्थानीय स्तर पर इन स्थानों और मंदिरों को चिह्नित कर पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। हिमाचल प्रदेश में सिनेमा के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। हिमाचली सिनेमा अभी अपने विकास के प्रारंभिक चरण में है और इसमें आगे बढने की क्षमता है।

कुछ अलग

गारंटियों के साइड इफेक्ट...

हर अति के साइड इफेक्ट होते हैं। एक-डेढ़ पैग लगाकर अगर डांस किया जाए तो महफिल जम जाती है, लेकिन चार-पांच पैग मार लिए जाएं तो फिर बंदा गठबंधन सरकार की तरह हिचकोले खाता रहता है, या तो नाली में पड़ा रहता है या फिर चरणों में दंडवत हो जाता है। यह शराब का साइड इफेक्ट है। इसी तरह वोट लेने के लिए दी जाने वाली गारंटियों के साइड इफेक्ट भी होते हैं। शुरू-शुरू में लोग इन गारंटियों की तरफ आकर्षित होते हैं और वोट दे आते हैं। फिर जब गारंटियां झूठी निकलती हैं और ठगे जाने का एहसास होता है तो पब्लिक किक आउट भी कर देती है। यानी साइड इफेक्ट यहां भी होते हैं। अभी एक पड़ोसी राज्य के चुनाव में भी यही हुआ। गारंटियां एक पार्टी ने एक राज्य में सत्ता में आने के लिए दी थी और जब दूसरे राज्य में हुए चुनाव में उसी पार्टी ने वही गारंटियां उस राज्य में भी देने का खेल खेला तो सचमुच में 'खेला' हो गया। लोग पूछने लगे कि पहले राज्य में तो आपकी गारंटियां छलावा साबित हुई हैं और अब हमें छलने आ रहे हो...! ऐसा यहां नहीं चलेगा। यह साइड इफेक्ट था और इसका खामियाजा एग्जिट पोल में जीत कर जश्न मनाने वाली पार्टी जनता के वोट की चोट से चित हो गई। यानी दूल्हा सजा धजा खड़ा रह गया और घोड़ी उसे लंगड़ी मारकर भाग निकली। जिस पार्टी ने ढोल नगाड़े और पटाखे मंगा कर रखे थे, उन्हें दूसरी पार्टी ही बजा गई। यह राजनीतिक साइड इफेक्ट था। चुनावी मौसम आते ही सियासतदानों का 'गारंटी कार्ड' भी उछल-कूद करने लगता है। हर चुनावी मंच पर नेता जी ऐसे वादे ठोंकते हैं, जैसे देश को स्वर्ग बनाने की गारंटी उनके पास हो। अरे भाई, इतनी गारंटी अगर सच में पूरी हो जाए, तो हम चांद पर खड़े होकर भी आलू और प्याज की खेती कर रहे होते। लेकिन सच तो यह है कि चुनावी गारंटी सिर्फ वादों की फुल सर्विस वाली होती है, नतीजे की कोई गारंटी नहीं! अब देखिए, हर चुनाव में नेता जी से लेकर छुटभैये तक गारंटी देते हैं- बिजली, पानी, सडक़, रोजगार, सब कुछ मिलेगा। हर महिला के खाते में हर महीने 1500 आएंगे। हर साल एक लाख बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। बिजली-पानी फ्री मिलेगा और गोबर तक खरीदा जाएगा। जनता भी खुश- 'वाह! इस बार तो हमारे दिन बदल जाएंगे।' पर चुनावी गारंटी भी उसी फ्रिज की तरह है जो वादे तो ठंडे-ठंडे करता है, लेकिन सत्ता की गर्मी मिलते ही ठप हो जाता है। जब जनता गारंटी मांगने जाती है, तो नेताओं के सुर बदल जाते हैं। सत्तारूढ़ दल का एक नेता पब्लिक को समझाता है, 'अरे भाई, यह गारंटी अगले चुनाव तक वैलिड है, अभी थोड़ी लागू होगी!' जबकि दूसरा नेता समझाते हुए यह दलील देता है, 'भैया, यह गारंटी योजना का हिस्सा थी, पर बजट ने धोखा दे दिया। अगली बार पक्का!' पब्लिक जब गुस्से से लाल-पीली होने लगती है तो सत्तासीन दल का सबसे बड़ा नेता टोपी घुमाते हुए कहता है, 'अरे, हमने कोशिश तो की थी, लेकिन विपक्ष ने बीच में करंट मार दिया। अब अगले चुनाव में मिलते हैं!' असल में चुनावी गारंटी उन जूतों की तरह होती है जिन पर लाइफ टाइम गारंटी लिखी होती है, लेकिन चलते-चलते सोल घिस जाता है और नेताजी अगले चुनाव में नए जूते बेचने आ जाते हैं। और कई बार गुस्साई भीड़ जूतम पैजार भी कर देती है...। अखबारों में खबर छपती है कि नेताजी की जनसभा में जूते चल गए और जूते मंच तक पहुंच गए। जूतों की बारिश से नेताजी को सिक्योरिटी कर्मियों ने बड़ी मुश्किल से बचाया। यही गारंटी का सबसे बड़ा साइड इफेक्ट होता है।

देश दुनिया से

कांग्रेस की नीतियां और आतंकवाद

सुरक्षा बलों ने 4 अक्टूबर को नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर 31 नक्सलियों को मार गिराया। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 24 साल बाद से किसी एक अभियान में माओवादियों-आतंकियों की यह सर्वाधिक मौतों की संख्या है। इस घटना ने देश में आतंकवाद के घाव फिर से हरे कर दिए। देश में हर तरह की आतंकी वारदातें कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में सत्ता में रहने के दौरान शुरू हुईं। कांग्रेस की गलत नीतियों से ऐसी रक्तरंजित घटनाओं का परिणाम अभी तक देश भुगत रहा है। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर का हो, नक्सलियों का, पूर्वोत्तर में या फिर पंजाब में खालिस्तान का रहा हो, देश ने कांग्रेस की गलतियों की भारी कीमत चुकाई है। इसी तरह दशकों तक तीन राज्यों में व्याप्त रहा चंबल के बीहड़ों में डकैतों के अपराधों का काला इतिहास भी कांग्रेस के शासन के दौरान लिखा गया। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि कांग्रेस ने इन गलतियों से सबक नहीं लिया। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर में हो या फिर नक्सलियों का हो, कांग्रेस ने कभी भी केंद्र की मोदी सरकार की तरह सख्ती नहीं दिखाई। इसके विपरीत कांग्रेस का रवैया वोट बैंक की राजनीति के कारण आतंक समर्थकों के प्रति सहानुभूति का रहा है। लापरवाही और उपेक्षापूर्ण नीतियों के साथ ही राजनीतिक फायदे के लिए की गई आतंकवाद की अवहेलना की कीमत कांग्रेस ने भी चुकाई है। 25 मई 2013 को, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के नक्सली विद्रोहियों ने छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दरभा घाटी की झीरम घाटी में कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला किया। इस हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ला, पूर्व राज्य मंत्री महेंद्र कर्मा और छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रमुख नंद कुमार पटेल की मौत हो गई। कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में शासन के दौरान ही तीनों तरह का आतंक पनपा है। इसमें चंबल में डकैतों का काफी हद तक सफाया हो गया। जम्मू-कश्मीर में पाकपरस्त और देश के कुछ राज्यों में नक्सली आतंक अब तेजी से सिमट रहा है। केंद्र की भाजपा सरकार दोनों तरह के आतंकियों पर काफी हद तक लगाम लगाने में कामयाब रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक में कहा कि 2026 में नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। शाह ने कहा कि 30 साल के बाद पहली बार वामपंथी उग्रवाद से मरने वाले लोगों की संख्या 100 से कम रही है। हिंसा की घटनाओं में करीब 53 फीसदी की कमी आई है। नक्सली हिंसा से प्रभावित जिलों की संख्या 96 की जगह 42 जिले तक सीमित रह गई है। इन 42 जिलों में से 21 जिले नए बने हैं। इनमें से करीब 16 जिले ही नक्सल हिंसा से प्रभावित हैं। देश की सुरक्षा से संबंधित कांग्रेस की गलत नीतियों का परिणाम सिर्फ देश की आम अवाम को नहीं, बल्कि केंद्र की भाजपा सरकार को भी भुगतना पड़ रहा है। केंद्र सरकार को आतंकियों से निपटने के लिए न सिर्फ करोड़ों रुपए बहाने पड़ रह हैं, बल्कि पुलिस और सुरक्षा बलों को काफी मानवीय क्षति उठानी पड़ी है। नक्सल आतंकवाद का उदय पश्चिमी बंगाल से कांग्रेस शासन के दौरान ही हुआ था। यह फैलते हुए देश के करीब आठ राज्यों में तक पहुंच गया। इनमें से ज्यादातर राज्यों और केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही। कांग्रेस की तत्कालीन सरकारें नक्सलियों की रोकथाम करने में विफल रही। केंद्र और राज्य मिलकर काम नहीं कर सके। नक्सली देश के लिए नासूर बन गए। मौजूदा केंद्र की भाजपा गठबंधन सरकार ने खून-खराबा करने वाले नक्सलियों को जड़ से उखाडने की ठान ली है। नक्सली प्रभावित राज्यों की तरह जम्मू-कश्मीर भी आतंकवाद की आग में अभी तक सुलग रहा है। इस अशांत केंद्रशासित प्रदेश में आजादी के बाद से ही नेशनल कान्फ्रेंस और कांग्रेस का शासन रहा है। केंद्र की कांग्रेस और जम्मू-कश्मीर की सरकार आतंकियों को सबक सिखाने में पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान की शह पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद ने सिर उठाया। नेशनल कान्फ्रेंस, कांग्रेस और दूसरे क्षेत्रीय दल आतंकियों के प्रति नरम रवैया रखते रहे। आतंकियों के समर्थन में पत्थरबाजी की घटनाओं ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाया। धारा 370 और 35-ए के कारण विशेष दर्जा प्राप्त इस प्रदेश में यह कानून आंतकियों की ढाल बनता रहा है। आतंकी वारदातों के बावजूद कांग्रेस ने कभी भी इस कानून को खत्म करने का प्रयास नहीं किया। इसके विपरीत मुस्लिम वोटों के कारण कांग्रेस कभी भी भाजपा जैसी सख्ती नहीं दिखा पाई। नौबत यह आ गई कि पाकपरस्त आतंकी संगठनों ने केंद्र में कांग्रेस के शासन के दौरान देश में बम धमाके करके कानून-व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर दिया। केंद्र की कांग्रेस सरकार की नाकामी और ढुलमुल सुरक्षा नीति के कारण देश की सुरक्षा व्यवस्था लगभग चौपट हो गई। पाकपरस्त आतंकियों के हौसले इतने बढ़ गए कि 13 दिसंबर, 2001 को दिल्ली के संसद भवन पर हुए आतंकी हमले में नौ लोगों की मौत हो गई। इसी तरह 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों में कम से कम 174 लोगों की मौत हो गई थी।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 24 साल बाद से किसी एक अभियान में माओवादियों-आतंकियों की यह सर्वाधिक मौतों की संख्या है। इस घटना ने देश में आतंकवाद के घाव फिर से हरे कर दिए। देश में हर तरह की आतंकी वारदातें कांग्रेस के केंद्र और राज्यों में सत्ता में रहने के दौरान शुरू हुईं। कांग्रेस की गलत नीतियों से ऐसी रक्तरंजित घटनाओं का परिणाम अभी तक देश भुगत रहा है। आतंकवाद चाहे जम्मू-कश्मीर का हो, नक्सलियों का, पूर्वोत्तर में या फिर पंजाब में खालिस्तान का रहा हो, देश ने कांग्रेस की गलतियों की भारी कीमत चुकाई है। इसी तरह दशकों तक तीन राज्यों में व्याप्त रहा चंबल के बीहड़ों में डकैतों के अपराधों का काला इतिहास भी कांग्रेस के शासन के दौरान लिखा गया। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि कांग्रेस ने इन गलतियों से सबक नहीं लिया।

आप का नजरीया

विस्थापन बनाम पुनर्वास

मुआवजे के तर्क हिमाचल के काम आए, तो विस्थापन की चपेट में आ रहे लोग, राष्ट्रीय स्तर के भुगतान में सबसे बेहतर हो गए। हिमाचल के अलावा केरल व पश्चिम बंगाल में भू अधिग्रहण के एवज में मिलने वाली राशि राष्ट्रीय स्तर पर उत्तम मानी जाती है, फिर भी विस्थापन के कई मंजर प्रदेश के विकास को कुरेद देते हैं। यह इसलिए भी क्योंकि हिमाचल लैंड सीलिंग एक्ट लागू होने के बाद लैंड होल्डिंग बहुत ही कम औसत दर्ज कर रही है। भविष्य के हर संकल्प में विस्थापन का खतरा इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि हिमाचल के पास आगे बढने के लिए मात्र तीस फीसदी गैर वन भूमि ही बचती है। बाकी जंगल के नाम और अनापत्तियां हासिल करने की वजह से सियासत का जंगल पैदा कर देती है। ऐसे में विकास की खातिर दो मोर्चों पर हिमाचल का अपना संघर्ष है। पहला यह कि अधिक से अधिक जंगल की जमीन को सार्वजनिक विकास के लिए हासिल किया जाए, दूसरे यह कि विस्थापन की अनिवार्यता में उजडने वाले को उचित मुआवजा दिया जाए। फिलवक्त सडक़ मार्गों ने जब से फोरलेन की पैमाइश शुरू की है, विस्थापन के संदर्भ हर मोड़ पर खड़े हैं। विस्थापन के आंसू आज भी गोबिंदसागर व पौंग झील में भरे हैं, तो इसलिए कि तब मुआवजे की राशि में लोग लुट गए, जबकि अब पुनर्वास को तौला जा रहा है। दरअसल विकास के ही रथ पर पुनर्वास की स्पष्टता व नीति सवार की जाए, तो सोच बदलेगी। यही वर्तमान में फोरलेन के भू अधिग्रहण में सामने आया और अब कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार दरअसल पुनर्वास के मायनों में सरकार समझ रही है। पुनर्वास बहुत सारे प्रयास के बावजूद सौ फीसदी नहीं हो सकता, फिर भी अगर इसे एक अवसर बनाया जाए तो नए शहर, नई बस्तियां, नए औद्योगिक केंद्र व नए बाजार विकसित हो सकते हैं। आश्चर्य है कि हिमाचल के ही नहीं, देश के सबसे बड़े विस्थापन यानी पौंग डैम के उजड़े तैंतीस सौ परिवारों के लिए अगर एक औद्योगिक शहर बसा दिया गया होता, तो सारा मुआवजा आर्थिकी में परिवर्तित हो जाता। जिन लोगों का उजडऩा राजस्थान के लिए वरदान सिद्ध हुआ, उस प्रदेश ने पुनर्वास के लिए हिमाचल से उजड़े लोगों को तपता रेगिस्तान दे दिया। नतीजतन पौंग विस्थापन का मुआवजा या तो राजस्थान के मुरब्बों में दब गया या पुनर्वास के हिसाब में लुट गया। ऐसे में कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार अगर अपने साथ न्यू गगल, हवाई अड्डा व्यापार कोरिडोर तथा गगल आवासीय बस्ती भी जोड़ ले, तो पुनर्वास आर्थिकी का एक नया लुक पैदा होगा। कहना न होगा कि सुक्खू सरकार ने अब तक के मुआवजों में गगल विस्थापन को सरकार के आतिथ्य में देखा है और अगर यह संभव हुआ तो एक नजीर बनेगा। हिमाचल के विकास में रोजगार के ढांचे को पुख्ता करने के लिए जमीन चाहिए और जिसके लिए वन भूमि और गैर वन भूमि अधिग्रहण लाजिमी है, लेकिन इससे पहले प्रदेश में आधा दर्जन निवेश शहर स्थापित किए जाएं। हमने अब तक बांधों और सडक़ों के लिए जमीन गंवाई है, लेकिन अब रोजगार के लिए ट्रांसपोर्ट नगर, आईटी पार्क, हिल स्टेशन और औद्योगिक परिसर बनाने के साथ ही हर शहर के लिए लैंड बैंक स्थापित करने के लिए विस्थापन और पुनर्वास एक ही साथ होना चाहिए।

पंजाब : अवैध रूप से चल रही 18 ट्रैवल एजेंसियों के खिलाफ एफआईआरदर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। विदेशों में बसने की इच्छा रखने वाले युवाओं की सुरक्षा के लिए अवैध ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए पंजाब पुलिस के एनआरआई विंग और साइबर क्राइम विंग ने प्रोटेक्टरेट ऑफ इमिग्रानट्स, चंडीगढ़ के साथ समन्वय करके राज्य में 18 और ट्रैवल एजेंसियों के खिलाफ सोशल मीडिया पर अवैध तरीके से रोजगार संबंधी विज्ञापन देने के मामले दर्ज किए हैं। यह कार्रवाई अगस्त 2024 के महीने में 25 अवैध ट्रैवल एजेंसियों के खिलाफ कम से कम 20 एफआईआर दर्ज करने के बाद की गई है। अब तक दर्ज मामलों में अवैध ट्रैवल एजेंसियों की संख्या 43 तक पहुंच गई है। प्रोटेक्टरेट ऑफ इमिग्रानट्स ने ऐसी ट्रैवल एजेंसियों द्वारा विदेशी नौकरियों के लिए इंस्टाग्राम और फेसबुक पर दिए जाने वाले विज्ञापनों को गंभीरता से लिया है। एडीजीपी एनआरआई मामलों के प्रवीण के. सिन्हा ने रविवार को बताया कि ये ट्रैवल एजेंसियां बिना आवश्यक लाइसेंस और अनुमति के इंस्टाग्राम और फेसबुक पर विदेशी नौकरियों के बारे में विज्ञापन दे रही थीं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन प्लेटफार्मों की जांच की गई, उनके प्रमाणपत्रों की गुप्त रूप से पुष्टि की गई और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। राज्य के विभिन्न एनआरआई थानों में इमिग्रेशन एक्ट की धारा 24/25 के तहत कुल 18 नई एफआईआर दर्ज की गई हैं।

हिसार : ईवीएम पर सवाल उठाने की बजाए आत्ममंथन करे कांग्रेस : मनदीप बिश्नोई

कुछ नेताओं के अति उत्साही घमंड को बताया हार का मुख्य कारण

हिसार (हिंस)। जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट मनदीप बिश्नोई ने हाल ही में आए चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को ईवीएम पर सवाल उठाने की बजाए हार पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रत्यक्ष तौर पर जिन नेताओं के हाथ मे पार्टी की कमान थी, उनका अति उत्साह और अत्यंत घमंड ही हार का मुख्य कारण है। एडवोकेट मनदीप बिश्नोई ने रविवार को कहा कि अगर अब भी कांग्रेस नहीं जागी और सांगठनिक तौर पर समाज के हर वर्ग को साथ लेकर नहीं चली तो प्रदेश में कांग्रेस का हाल मध्यप्रदेश और गुजरात जैसा हो जाएगा। मध्यप्रदेश व गुजरात मे वहां के प्रदेश स्तरीय

कांग्रेसी छत्रप अपने आप को पार्टी से बड़ा समझने लगे तो प्रदेश की जनता से उन्हें दुत्कार हाथ लगी और दशकों से कांग्रेस वहां पर सत्ता से दूर बैठी है। उन्होंने कहा हरियाणा में पिछले दस वर्षों से कांग्रेस में संगठन नाम की कोई चीज नही है जबकि दूसरी तरफ बीजेपी सांगठनिक तौर पर बहुत मजबूत है, उसमें व्यक्ति विशेष की बजाए संगठन सर्वोपरि माना जाता है और प्रदेश में तीसरी बार सत्ता में आने का कारण भी यही है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में हार की जिम्मेदारी अपने आप उन्हीं लोगों को लेनी चाहिए जिनके हाथों में कांग्रेस की बागडोर थी और जो अपने दम पर सत्ता लाने का दम भरते थे। उन्होंने टिकट बंटवारे में किसी भी नेता और कार्यकर्ता की नहीं सुनी।

हिंदू संगठनों की महापंचायत को लेकर डासना छावनी में तब्दील, मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं

विधायक नंदकिशोर गुर्जर को हाइवे पर रोका

गाजियाबाद (हिंस)। डासना देवी मंदिर में महापंचायत को लेकर पूरे डासना इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। साथ ही पुलिस-प्रशासन ने पंचायत की अनुमति नहीं दी है और किसी को मंदिर के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। वहीं लोनी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर को हाइवे पर ही रोक दिया गया है। इसके बाद उन्होंने वहीं अपनी पंचायत लगा दी। इस दौरान नंदकिशोर गुर्जर ने इस दौरान पुलिस प्रशासन पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यदि उच्चाधिकारी ने उस दिन देवी मंदिर पर इतनी फोर्स लगा दी होती जितनी कि आज सनातनियों के मंदिर में प्रवेश

करने पर लगाई है तो जिहादियों में उस दिन मंदिर की ओर कूच करने की हिम्मत न होती। बहरहाल पुलिस प्रशासन मंदिर के आसपास सतर्क है। साथ ही प्रदेश स्तर के अधिकारी भी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

स्टेज ऐप पर दिखेगी राजस्थानी वेब सीरीज हुंकार

जयपुर (हिंस)। टीवी सीरियल बालिका वधू, कुछ रंग प्यार के ऐसे भी, दीया और बाती हम, बाबा ऐसो वर ढूंढो, रंगरसिया, भाभी जी घर पर हैं के अलावा कई फेमस सीरियल की कहानी लिखने वाले लेखक रघुवीर शेखावत इन दिनों स्टेज ऐप पर रिलीज होने वाली राजस्थानी वेब सीरीज *हुंकार* की शूटिंग जयपुर में कर रहे हैं। रघुवीर शेखावत ने बताया- हुंकार वेब सीरीज में दो लड़कियों की दोस्ती के साथ-साथ नारी शक्ति की कहानी गढ़ी गई है। इसमें एक लड़की गलत राह पर चल पड़ती है और वह माफियाओं और बड़े पॉलिटिशियन के चंगुल में फंस जाती है। जिसके बाद दोनों माफियाओं के खिलाफ हुंकार भरती हैं। कहानी बेहद इंटरेस्टिंग है। उम्मीद है दर्शकों को काफी पसंद आएगी। रघुवीर शेखावत ने कहा कि हुंकार वेब सीरीज के माध्यम से हमारा यह प्रयास है कि हम राजस्थान की माटी और यहां की खुशबू, रंग, कल्चर देश-दुनिया के लोगों के सामने लेकर आ सकें। उन्होंने कहा- मेरे दिल में तमन्ना थी कि मुंबई में बहुत कुछ कर लिया है और अब राजस्थान में करना है। इस तमन्ना को पूरा करने के लिए मैं राजस्थानी सिनेमा में अपना योगदान देने के लिए मुंबई से यहां आया हूं। हम राजस्थानी सिनेमा को एक बड़े पटल पर ले जाने की कोशिश करेंगे। शेखावत ने बताया- वेब सीरीज की शूटिंग राजस्थान के जयपुर की जा रही है। इसके बाद सीकर के भारिजा गांव में शूटिंग होगी। जयपुर में कई हवेलियों, हॉस्पिटल व चौपालों पर शूटिंग की जा चुकी है। वेब सीरीज में जयपुर के साथ-साथ प्रदेश के उभरते कलाकारों वेब सीरीज में लिया गया है। हुंकार वेब सीरीज में मुख्य किरदार में राजस्थान की सुपरस्टार अभिनेत्री नीलू वाघेला नजर आएंगी। नीलू वाघेला राजस्थानी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्हें स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक दीया और बाती हम, सीक्वल तू सूरज मैं सांझ, पियाजी में संतोष अरुण राठी उर्फ भाभो की भूमिका के लिए भी जाना जाता है। इसके अलावा अलीशा सोनी भी हुंकार में नजर आएंगी। अलीशा सोनी, अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा के साथ *दहाड़* वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। साथ ही कई और बड़ी वेब सीरीज में भी काम किया है। इसके अलावा मेरे साईं, सजन रे झूठ मत बोलो सीरियल में मुख्य किरदार निभाने वाले एक्टर सुकेश आनंद सहित कई फेम एक्टर सीरीज में नजर आएंगे।

नवरात्र मेले में डेढ़ लाख के गहने चुराने वाली महिला गिरफ्तार

बीकानेर (हिंस)। जिले की देशनोक पुलिस ने नवरात्र मेले में महिलाओं के गले से चेन चुराने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। महिला ने देशनोक करणी माता मंदिर में नवरात्र मेले के दौरान वारदात की। चुराए गए गहनों की कीमत डेढ़ लाख के करीब है। मां करणी जन्मोत्सव झांकी के दौरान श्रद्धालुओं के बीच पुलिस ने महिला की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला किरण बावरी (32) पत्नी विनोद है। वह हनुमानगढ़ के वार्ड नम्बर 41 सुरेशिया बस्ती की रहने वाली है। महिला करणी मंदिर परिसर में ही चोरी करती थी। भीड़-भाड़ को देखकर दर्शनार्थी महिलाओं का ध्यान भटकाकर मौका पाकर गले से चेन, माला, मूर्तियां, लॉकेट चुरा लेती थी। चोरी की शिकायतों के बाद पुलिस ने नजर रखना शुरू किया। सीसीटीवी फुटेज से महिला की पहचान की और हिरासत में लेकर पूछताछ की। महिला ने जुर्म कबूल कर लिया और चुराए हुए गहने सौंप दिए।

मायावती के बाद चंद्रशेखर ने अमन गौतम की मौत पर उठाए सवाल

लखनऊ (हिंस)। लखनऊ के विकास नगर थाना क्षेत्र में अमन गौतम की मौत के मामले में विरोध प्रदर्शन जारी है। दलित युवक की मौत के बाद पहले बसपा की अध्यक्ष मायावती ने रोष जाहिर करते हुए पुलिस वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद भीम आर्मी के मुखिया एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मृतक अमन के घर पहुंच कर पीड़ित परिवार के लिए मुआवजा एवं सरकारी नौकरी की मांग की है। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पीड़ित परिवार से मिलने लखनऊ स्थित उसके आवास पर पहुंचे। जहां चंद्रशेखर ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम की जांच होनी चाहिए, जिसमें पुलिस अमन गौतम को जुआ खेलते हुए पार्क से गिरफ्तार करती है और बाद में हार्ट अटैक से मौत बताती है, वहीं सीसीटीवी फुटेज में पुलिस वाले अमन को घर से ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। सांसद चंद्रशेखर ने पीड़ित परिवार के लिए 50 लाख रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग करते हुए पूरे मामले की

उच्च स्तरीय जांच की मांग रखी है। वहीं बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने भी दलित युवक की मौत पर शोक जाहिर करते हुए प्रदेश सरकार से मांग की कि वह दोषी पुलिस वालों पर सख्त कार्यवाही करे। पीड़ित परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए और परिवार को आर्थिक मदद मुहैया कराई जाए।

भारतीय व्यापारियों को निर्यात व्यापार में सशक्त बनाने के लिए तीन दिवसीय थ्रीबी बिजनेस ग्रोथ कांफ्रेंस आज से

जयपुर (हिंस)। प्रसिद्ध बिजनेसमैन, ऑथर एंड इंटरनेशनल बिजनेस कोच डॉ. ओपेश सिंह एवं मेघा नाथ द्वारा आयोजित 3बी बिजनेस ग्रोथ कांफ्रेंस 15 अक्तूबर से 17 अक्तूबर 2024 तक जयपुर राजस्थान में होगी। इस कांफ्रेंस में देश विदेश से इन्वेस्टर, बिजनेसमैन, इंपोर्टर्स, एक्सपोर्टर्स, एंटरप्रेन्योर लगभग 500 शामिल होने जा रहे है। विदेशी मेहमानों में अफ्रीका के कांगो गणराज्य, अंगोला गणराज्य, सिएरा लियोन, चाड गणराज्य, नामीबिया, रवांडा, टोगो और लेस्थों के व्यापार जगत के नेता और मंत्री, राजदूत, दुबई से डॉ. बू अब्दुल्ला (बू अब्दुल्ला ग्रुप ऑफ कंपनीज) और यूरोप से प्रतिनिधि शामिल होंगे। कांफ्रेंस में व्यापार विकास, अंतरारष्ट्रीय विस्तार और लाभ अधिकतमकरण के लिए टिप्स दी जाएंगी। इसी क्रम में भारत वर्ष के कई हिस्सों से

व्यवसायी 3बी ग्रोथ कांफ्रेंस 2024 में भागीदारी करने आ रहे है। जिसमे राजस्थान के भावी प्रोजेक्ट जो कि किसानों से निर्मित स्वदेशी प्रोडक्ट व् प्राकृतिक विषमताओं को अनुकूल रूप में परिवर्तित करके निर्यात के लिए प्रेरित करने व् निवेश के लिए अग्रसर है, ये कांफ्रेंस कहीं न कहीं राजस्थान में निवेश को बढ़ावा देगी *राइजिंग राजस्थान* से प्रेरित होकर राजस्थान में निवेश के लिए अग्रसर रहेंगे। ओपेश कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर डॉ. ओपेश सिंह ने कहा, इस कांफ्रेंस का मुख्य उद्देश्य *लोकल टू ग्लोबल* पर युवाओं का ध्यान केंद्रित करना होगा, जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के युवाओं से आह्वान करते है कि निर्यात व्यापार भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान निभाता है। इस आयोजन शामिल होने वाले देश भर के व्यापारियो व निवेशकों को भी अवसर मिलेगा। इस आयोजन के पोस्टर विमोचन राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के द्वारा किया गया। डॉ. ओपेश सिंह इंटरनेशनल बिजनेस के बारीकी को बताते हुए अवसरों के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करेंगे। उनका उद्देश्य भारतीय युवाओं को निर्यात व्यापार के लिए प्रेरित करना और भारत को गौरवान्वित करना है। यह सम्मेलन व्यवसायों को इंटरनेशनल बाजारों में अपनी पहुंच बनाने में मदद करने और त्वरित विकास हासिल करने के लिए डिजाइन किया गया है।

हरियाणा में भाजपा विधायक दल की बैठक कल

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में नई सरकार के गठन की तैयारी हो चुकी है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी और मंत्रियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम तय होने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी ने 16 अक्तूबर को चंडीगढ़ में विधायक दल की बैठक आहूत की है। बैठक में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुना जाएगा। भाजपा 17 अक्तूबर को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की सफलता को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी में जुटी है। रविवार को दिनभर पंचकूला में पार्टी के आला नेताओं की बैठक चलती रही। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले नेताओं को आमंत्रण भेजे जा रहे हैं। दूसरे राज्यों के जिन मुख्यमंत्रियों की स्वीकृति आ चुकी है उनके अनुसार यहां पर प्रबंध किए जा रहे हैं।

समाज का शक्तिहीन होना सबसे बड़ा अभिशाप है : शिवकुमार

गाजियाबाद (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्थापना दिवस व विजयादशमी उत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरनंदी महानगर के सुदर्शन भाग में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका प्रारंभ शस्त्र-पूजन से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अवंतिका हॉस्पिटल के चेयरमैन डाक्टर युवराज शर्मा ने की । उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वयंसेवक बहुत स्वाभिमानी होते हैं और वह अपने लिए कभी कुछ नही मांगते। वे समाज की चिंता करते हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हरनंदी महानगर के सह-कार्यवाह शिवकुमार ने कहा कि समाज का शक्तिहीन होना सबसे बड़ा अभिशाप है इसीलिए बलि हमेशा बकरे की ही दी जाती है शेर की नहीं। उन्होंने आगे कहा कि अपनी शक्ति

हमेशा बढ़ाते रहिए क्योंकि कलयुग में संगठन शक्ति ही काम आएगी और जिसके पास बहुमत होता है, उसी की सुनी जाती है। उन्होंने भगवान राम के आदर्शों पर चलने की अपील की। उन्होंने बताया कि हमारा परिवार संगठित तभी होगा जब हम भगवान राम के चरित्र को जानेंगे। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने कदम-से-कदम मिलाकर घोष की मधुर ध्वनि पर पूर्ण गणवेश में पथ संचलन किया। यह संचलन प्राथमिक विद्यालय अहिंसा खंड-2 से प्रारंभ कर आशियाना उपवन, शान्ति गोपाल अस्पताल, जयपुरिया, बिहारी मार्केट से नीति खंड, रेल विहार, डीपीएस स्कूल से आकर कार्यक्रम स्थल पर संपन्न किया गया। स्वयंसेवकों की कुल संख्या 945 रही। लगभग 6 किलोमीटर के इस संचलन कार्यक्रम में जगह-जगह बड़ी संख्या में मातृशक्ति सहित समाज के बंधुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हरनंदी महानगर के संघचालक प्रदीप, गाजियाबाद विभाग के प्रचार प्रमुख अखिलेश, विभाग सह प्रचार प्रमुख आशीष, प्रांत टावर प्रमुख राम वरुण, महानगर सह- कार्यवाह सर्वेश भाग संघचालक ऋषभ, भाग कार्यवाह विनोद आदि उपस्थित रहे।

मां दुर्गा की शोभायात्रा निकालकर दी गई अंतिम विदाई

अररिया (हिंस)। अररिया सहित इसके ग्रामीण इलाकों में शनिवार के साथ रविवार को भी शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा को अंतिम विदाई दी गई। अगली वर्ष फिर से अनेक आह्वान के साथ शहर में मां दुर्गा की प्रतिमा के साथ शोभायात्रा निकाली गई। बैंड बाजे के धुन पर मां दुर्गा के भक्त आरती के साथ झूमते हुए मां के जयकारे लगाते हुए मां को विदाई दी। अररिया में परमान नदी के त्रिशुलिया घाट पर जहां प्रतिमा का विसर्जन किया गया। वहीं फारबिसगंज में सीताधार, कोठीहाट नहर और सुलतान पोखर में मां दुर्गा के प्रतिमा का विर्सजन किया गया। विसर्जन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। खुद डीएम अनिल कुमार, एसपी अमित रंजन, सदर एसडीओ अनिकेत

कुमार, सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह, थानाध्यक्ष मनीष रजक, फारबिसगंज एसडीएम शैलजा पांडे, एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा, थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह शोभायात्रा जुलूस और विर्सजन की मॉनिटरिंग के साथ विधि व्यवस्था संधारण में लगे रहे। नगर परिषद की ओर से रोशनी और साफ सफाई का पुख्ता इंतजाम रहा। ग्रामीण इलाकों में भी इस बार प्रतिमा विसर्जन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। पुलिस अधिकारी और बलों के साथ पूरे विसर्जन जुलूस का वीडियोग्राफी और ड्रोन से निगरानी किया गाय।

गायत्री शक्तिपीठ में व्यक्तित्व परिष्कार सत्र आयोजित

सहरसा (हिंस)। शहर के प्रतापनगर स्थित गायत्री शक्तिपीठ में रविवार को व्यक्तित्व परिष्कार सत्र आयोजित हुई। इस परिष्कार सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. अरुण कुमार जायसवाल ने कहा व्यक्तित्त्व के परिष्कार के लिए तीन चीन जरूरी है। गान, ज्ञान और ध्यान। सभी धर्मों में प्रार्थना है, प्रार्थना सिर्फ याचना नहीं है बल्कि कृतज्ञता का भाव है। प्रार्थना से मन निर्मल हो जाता है, मन की सारी नकारात्मकता चली जाती है। प्रार्थना को गंभीरता से लेने पर दिव्य उर्जा आपके अंदर आती है। इस अवसर पर सईओ प्रशांत जायसवाल ने संबोधित करते हुए कहा गायत्री कंप्यूटर शिक्षण संस्थान बच्चों के लिए जो भी योगदान दे रहा हूं वह डॉक्टर अरुण कुमार जायसवाल ही मेरे प्रेरणा श्रोत है। उन्होंने बच्चों से कहा डिग्री के साथ-साथ कौशल विकास पर ध्यान दें। नवरात्रि अनुष्ठान का समापन आदिशक्ति के नवम स्वरूप माता सिद्धिदात्री का पूजन अर्चन समाप्त हो गया। अवसर पर डॉक्टर अरुण कुमार जायसवाल ने कहा कि माता की पूजन से सभी सुख की प्राप्ति होती हैं। पूर्णता की उर्जा का गमन होता है। इसके साथ ही मोक्ष्य एवं कैवल्य की प्राप्ति होती है। नव दुर्गा का स्वरूप हमारे व्यक्तिको रूपांतरित करता है तथा इससे आंतरिक शांति की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर लगभग 150 कुमारी कन्याओं को भोजन करा कर पूर्णाहुति यज्ञ संपन्न हुआ।

नालंदा में दो बाइक की टक्कर में चार की मौत

पटना (हिंस)। बिहार में नालंदा जिले के सरमेरा थाना क्षेत्र के बड़िया गांव के पास शनिवार रात करीब 11 बजे दो बाइक की आपस में टक्कर में 4 लोगों की मौत हो गई। जबकि दो अन्य लोग घायल हैं। सरमेरा थाना के मुताबिक मृतकों में शेखपुरा निवासी राजन कुमार, सोनू कुमार, शशिरंजन और गया जिला के धरमुचक गांव निवासी बॉस कुमार शामिल हैं। दुर्घटना में घायल हुए सरमेरा निवासी सुराज कुमार और राज हंस कुमार का इलाज बीम्स अस्पताल में किया जा रहा है। मृतक के परिजनों के मुताबिक शेखपुरा से एक ही बाइक पर 4 लोग सवार होकर मेला देखने आए थे। उसी दौरान इनकी टक्कर दूसरे बाइक सवार से हो गई। दूसरी बाइक पर भी दो लोग सवार थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जयपुर स्थापना दिवस : खूबसूरती देखेंगे जयपुर हेरिटेज फोटो एग्जीबिशन में

जयपुर (हिंस)। जयपुर स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर हेरिटेज फोटो एग्जिबिशन का तीसरा सीजन आयोजन 17 नवंबर से होटल आईटीसी राजपूताना की वेलकम आर्ट गैलेरी में भव्य एग्जिबिशन आयोजित होने जा रही हे। एग्जीबिशन 17 से 20 नवम्बर तक जयपुरवासी देख सकते हे। एग्जीबिशन में पुराने और नए जयपुर की तस्वीरे देख सकते हे। तस्वीरों में जयपुर के हेरिटेज मॉन्यूमेंट, वॉल, सिटी, मंदिर, फेस्टिवल, शहर की पुरानी, गलियां, कल्चर की बेहद खूबसूरत तस्वीरे देखने को मिलेगी। एक ही मंच के माध्यम से फोटोग्राारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर होगा। एग्जीबिशन

में कई विंटेज कैमरा का डिस्प्ले भी रखे गए है। एग्जीबिशन में सिर्फ जयपुर की ही तस्वीरों को डिसप्ले किया जायेगा। पुरानी ब्लैक एंड वाइट तस्वीरे और नए जयपुर की तस्वीरों देख सकते है। एग्जीबिशन में सभी फोटोग्राफर और मोबाइल फोटोग्राफर भी पार्टिसिपेट कर सकते हैं। संरक्षक रेणुका कुमावत ने बताया की जयपुर स्थापना दिवस पर जयपुर के कल्चर को सभी तक पहुंचाना और दिखाना है। इस एग्जीबिशन का उद्देश्य है, जयपुर की विरासत देश विदेश में काफी जानी जाती है, इसलिए आज के यूथ और आम लोगों तक जयपुर की खूबसूरत सुंदर तस्वीरों के जरिए दिखाया जाए और जयपुर के टूरिज्म को प्रमोट किया जाए। 30 नवंबर तक फोटो की एंट्री ली जा रही हे। जयपुर की तस्वीरें भेज सकते है। इस एग्जीबिशन को देखने के लिए सभी की एंट्री निशुल्क है, जिससे अधिक से अधिक लोग खूबसूरत जयपुर को एक ही जगह तस्वीरों के जरिए देख पाएंगे।

डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को उपहार में दी 28 कारें और 29 बाइक

चेन्नई।
ढांचागत इस्पात डिजाइन और डिटेलिंग कंपनी टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को 28 कारें और 29 बाइक उपहार में दी हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि ये उपहार कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिए गए हैं।

अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में हुंदै, टाटा, मारुति सुजुकी और मर्सिडीज बेंज जैसी विभिन्न प्रकार की नई कारें भेंट की गईं। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम कंपनी की सफलता में उनके (कर्मचारियों) अथक प्रयासों के लिए अपनी प्रशंसा दिखाना चाहते थे। हमारा मानना है कि हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने कर्मचारियों के योगदान को उनके प्रदर्शन, सेवा के वर्षों के आधार पर मापा है। हमारे कर्मचारियों ने असाधारण प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रदर्शन किया है, और हमें उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने पर गर्व है।

अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कंपनी में लगभग 180 कर्मचारी हैं जो साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और अत्यधिक कुशल हैं। उन्होंने कहा कि हम उन उम्मीदवारों का चयन करते हैं जो अत्यधिक प्रेरित होते हैं और उनके लिए कार या बाइक खरीदना एक सपने जैसा होता है। हम कर्मचारियों को बाइक उपहार में देते रहे हैं और 2022 में हमने अपने दो वरिष्ठ सहयोगियों को कार उपहार में दी। हमने 28 कारें उपहार में दी हैं। उनमें से कुछ मारुति सुजुकी, हुंडई, मर्सिडीज बेंज भी हैं।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कंपनी एक निश्चित राशि के साथ कार या बाइक देगी। उन्होंने कहा कि अगर कर्मचारी को कंपनी द्वारा चुनी गई कार से बेहतर वाहन की जरूरत है तो उसे शेष राशि का भुगतान करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

भारत के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी,भारत के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली । भारत के औद्योगिक उत्पादन में लगातार सस्ती देखने को मिल रही है। अगस्त माह में औद्योगिक उत्पादन की दर - 01 पर पहुंच गई। माइनिंग सेक्टर में 4.3 फ़ीसदी और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में 3.7 फ़ीसदी की गिरावट जनवरी 2024 की तुलना में देखने को मिली। मैन्यूफ़ैक्चरिंग सेक्टर में भी भारी गिरावट देखने को मिली है। सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जो आंकड़े जारी किए गए हैं। उसके अनुसार माइनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। कहा जा रहा है कि अधिक बारिश के कारण औद्योगिक उत्पादन में कमी आई है। इसका असर माईनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर पर पड़ा है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 के पहले 5 महीने में लगभग दो फ़ीसदी औद्योगिक उत्पादन में औसत गिरावट हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में 3.71 अरब डॉलर घटकर, 701.18 अरब डॉलर पर आ गया है। भारत के गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 4 करोड डालर घटकर 65.75 अरब डॉलर पर आ गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार सभी ओर से निराशाजनक समाचार मिलने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

हुंडई मोटर्स 2032 तक 32,000 करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली । हुंडई मोटर्स इंडिया का आईपीओ भारतीय जीवन बीमा निगम के 21,000 करोड़ रुपये के इश्यू साइज का रिकॉर्ड तोड़ने जा रहा है। हुंडई आईपीओ के अपर प्राइस बैंड के हिसाब से इसका इश्यू साइज 27,870.16 करोड़ रुपये का है। हुंडई के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये (22 से 23 डॉलर) प्रति शेयर है। गौरतलब है कि हुंडई मोटर्स इंडिया ने 15 जून को मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास ड्रॉफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्टस डीआरएचपी फाइल किया था। 25 सितंबर 2024 को सेबी ने हुंडई को आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी थी। हुंडई ने अपने डीआरएचपी में कहा है कि हमने अपने चेन्नई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और अपने तलेगांव मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ ऑफर लेटर दिए है, जिनमें कुल मिलाकर लगभग 32,000 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धताएं शामिल थीं। कंपनी की तरफ से बताए गए ये 32,000 करोड़ रुपये के खर्च साल 2023 से लेकर 2032 तक के लिए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था कि हम अपने आंतरिक स्रोतों से 32,000 करोड़ रुपये की निवेश योजना के लिए पैसा देने की योजना बना रहे हैं। 1 अप्रैल तक हमारे पास 9,000 करोड़ रुपये की नकदी है। कंपनी ने डीआरएचपी में बताया कि हमारे पहले के पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) थे और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे भविष्य के पूंजीगत खर्च मुख्य रूप से नए पैसेंजर व्हीकल मॉडल लॉन्च के संबंध में प्लांट, प्रॉपर्टी और इक्विपमेंट्स और एसेट्स के अधिग्रहण के लिए होंगे। कंपनी ने आगे कहा कि हमें अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स के निर्माण और रखरखाव, उपकरण खरीदने और अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स के लिए नई टेक्नोलॉजी को डेवलप करने और लागू करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पूंजी की जरूरत है। कंपनी ने कहा कि 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त नौ महीनों में और वित्तीय वर्ष 2023, 2022 और 2021 में, एसेट, प्लांट और इक्विपमेंट और एसेट्स के अधिग्रहण के लिए हमारा पेमंट क्रमशः 2735.442 करोड़ रुपये, 2260.982 करोड़ रुपये, 1264.979 करोड़ रुपये और 2582.888 करोड़ रुपये था ।

एचएएल को सरकार ने महारत्न कंपनी का दर्जा दिया है, देश को मिली 14वीं महारत्न कंपनी

नई दिल्ली । हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को सरकार ने महारत्न कंपनी का दर्जा दिया है। यह सम्मान एचएएल के बढ़ते कद और इसकी प्रभावशाली वित्तीय परफॉर्मेंस का प्रतीक है। कंपनी ने इस बड़ी खबर को अपने एक्स हैंडल पर सार्वजनिक उद्यम विभाग की पोस्ट रीपोस्ट करते हुए साझा किया। पोस्ट में लिखा गया कि वित्त मंत्री ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 14वीं महारत्न सीपीएसई कंपनी के रूप में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव वित्त सचिव की अध्यक्षता वाली अंतर-मंत्रालयी समिति और कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति ने सिफारिश के बाद मंजूर किया।

कंपनियों के तिमाही परिणामों का शेयर बाजार पर रहेगा असर

बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही

मुंबई।
बीते सप्ताह मध्य-पश्चिम संघर्ष को लेकर वैश्विक बाजार के कमजोर रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली से गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और एक्सिस बैंक समेत कई दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के जारी होने वाले परिणाम का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 307.09 अंक की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 81381.36 अंक पर आ गया।

इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50.35 अंक उतरकर 24964.25 अंक पर रहा। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई। इससे मिडकैप 530.12 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 48436.86 अंक और स्मॉलकैप 654.78 अंक उछलकर 56600.09 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार बीते सप्ताह विश्व बाजार का रुझान कमजोर रहा।

भारतीय बाजार वर्तमान में प्रीमियम मूल्यांकन और दूसरी तिमाही के सुस्त नतीजों के कारण सुदृढ़ीकरण के चरण में है। इसके विपरीत विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) चीन के प्रोत्साहन उपायों और कम मूल्यांकन से चीनी बाजारों में आर्बिट्रेज अवसरों का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा तथा उसके निर्णयों से निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना का संकेत नहीं मिलता है। इस बीच हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीद से अधिक बेहतर प्रदर्शन से घरेलू बाजार में आशा की लहर दौड़ गई।

इससे सेंसेक्स ने कुछ लचीलापन दिखाया और वापस उछलने का प्रयास किया तथा निफ्टी 50 सूचकांक को 24,800 अंक के स्तर पर समर्थन मिला। हालांकि यह समर्थन अस्थायी बना हुआ है, जिससे इसके मध्यवर्ती स्तर पर होने का जोखिम बना हुआ है। बीते सप्ताह बाजार अपनी तेजी को बरकरार नहीं रख सका और निफ्टी50 25,000 अंक से नीचे बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रास्फीति में अप्रत्याशित वृद्धि और जारी भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण अमेरिका में 10 वर्षीय ट्रेजरी यील्ड में हाल में हुई वृद्धि ने एफआईआई को अधिक सस्ते बाजारों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है। इस प्रवृत्ति से अल्प अवधि में इक्विटी परिसंपत्ति का प्रदर्शन प्रभावित होने की उम्मीद है। इस सप्ताह निवेशकों की वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के परिणामों पर पैनी नजर रहेगी।

दूसरी तिमाही के परिणाम के तिमाही-दर-तिमाही आधार पर कमजोर प्रदर्शन रहने का अनुमान है। गिरावट का जोखिम बढ़ रहा है, जिससे अल्प से मध्यम अवधि में भारत का प्रीमियम मूल्यांकन कम हो सकता है। इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, महाराष्ट्र बैंक, सीआईएल, बजाज ऑटो और क्रिसिल समेत कई दिग्गज कंपनियों की दूसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही। इजराइल-ईरान तनाव और चीन के प्रोत्साहन पैकेज के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 638.45 अंक का गोता लगाकर करीब डेढ़ माह के निचले स्तर 81,050.00 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 218.85 अंक की गिरावट लेकर 24,795.75 अंक पर बंद हुआ। मध्य-पश्चिम संघर्ष को लेकर विश्व बाजार में गिरावट रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मजबूत परिणाम रहने की उम्मीद में हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 584.81 अंक उछलकर 81,634.81 अंक और निफ्टी 217.40 अंक की छलांग लगाकर 25,013.15 अंक पर पहुंच गया।

आरबीआई से ब्याज दर में कटौती किए जाने की उम्मीद लगाए निवेशकों को लगातार दसवीं बार निराशा हाथ लगने का असर बुधवार को शेयर बाजार में बिकवाली के रूप में दिखा। इससे निराश निवेशकों की ऊर्जा, एफएमसीजी और तेल एवं गैस समेत चार समूहों में हुई बिकवाली से सेंसेक्स 167.71 अंक की गिरावट लेकर 81,467.10 अंक और निफ्टी 31.20 अंक फिसलकर 24,981.95 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 144.31 अंक की छलांग लगाकर 81,611.41 अंक और निफ्टी 16.50 अंक की बढ़त लेकर 24,998.45 अंक हो गया। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कन्सल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस) के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के परिणाम उम्मीद से कमजोर रहने से टीसीएस, महिंद्रा एंड महिंद्रा आईसीआईसीआई बैंक और मारुति समेत चौदह कंपनियों में हुई बिकवाली से शुक्रवार को सेंसेक्स 230.05 अंक की गिरावट लेकर 81,381.36 अंक और निफ्टी 34.20 अंक फिसलकर 24,964.25 अंक पर बंद हुआ।

ओएनजीसी छोटे एलएनजी संयंत्र स्थापित करेगी

नई दिल्ली ।
सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) पाइपलाइन से नहीं जुड़े कुओं से प्राकृतिक गैस निकालने के लिए छोटे आकार के एलएनजी संयंत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने गैस कुओं के पास ऐसे संयंत्र स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश, झारखंड और गुजरात में पांच स्थानों की पहचान की है। ये संयंत्र जमीन के नीचे से निकाली गई गैस को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) में बदलेंगे। इस एलएनजी को क्रायोजेनिक ट्रकों के जरिये समीप के पाइपलाइन में ले जाया जाएगा जहां इसे गैस की अवस्था में फिर से परिवर्तित किया जाएगा। उसके बाद इसकी आपूर्ति बिजली संयंत्रों, उर्वरक इकाइयों या शहर में गैस वितरण करने वाली खुदरा विक्रेताओं को की जाएगी। ओएनजीसी ने विनिर्माताओं/सेवा प्रदाताओं से ऐसे प्राकृतिक गैस का उपयोग करने के लिए एक निविदा जारी की है। निविदा में छोटे-एलएनजी संयंत्र स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में दो और गुजरात के अंकलेश्वर को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा झारखंड के बोकारो और गुजरात के कैम्बे में एक-एक स्थान की पहचान की गई है। ओएनजीसी ने निविदा दस्तावेज में कहा कि देश में पाइपलाइनों का एक व्यापक नेटवर्क है। पाइपलाइन के ये नेटवर्क आपूर्ति और मांग केंद्रों को जोड़ता है। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में ऐसे गैस हैं, जो पाइपलाइन से जुड़े नहीं है। इनका उपयोग घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाना आवश्यक है। इसमें कहा गया है कि इस प्रकार की फंसी हुई गैस की मात्रा 5,000 से 50,000 मानक घन मीटर प्रतिदिन तक हैं। इनका उत्पादन पांच साल तक किया जा सकता है। निविदा में विनिर्माताओं और सेवा प्रदाताओं से एलएनजी का उत्पादन करने के लिए बीओओ (बनाओ, स्वामित्व और परिचालन) के आधार पर एक छोटे पैमाने पर एलएनजी संयंत्र स्थापित करने, उत्पादित एलएनजी को करीब 250 किलोमीटर तक कास्केड (उच्च दबाव वाले गैस सिलेंडर भंडारण प्रणाली)/ टैंकरों के जरिये खपत स्थलों तक पहुंचाने के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। इसके अलावा इसमें एलएनजी को फिर से गैस में बदलने और फिर उसे मौजूदा गैस वितरण ग्रिड में डालने अथवा सीधे थोक उपभोक्ताओं को आपूर्ति करने की बात भी शामिल है। देश में प्रतिदिन नौ करोड़ मानक घन मीटर से अधिक प्राकृतिक गैस का उत्पादन होता है।

कोल इंडिया का सरकारी खजाने में योगदान में मामूली गिरावट

नई दिल्ली ।
सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया का चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सरकारी खजाने में योगदान सालाना आधार पर 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 28,930.27 करोड़ रुपये रहा।

कोयला मंत्रालय के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-सितंबर अवधि में सरकारी खजाने में 29,122.13 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। आंकड़ों के अनुसार सितंबर महीने में सरकार को भुगतान किये गये कुल शुल्क भी आलोच्य अवधि में 11.1 प्रतिशत घटकर 4,335.24 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले 2023-24 के इसी महीने में यह 4,878.84 करोड़ रुपये था।

चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर में सरकारी खजाने को भुगतान किये गये कुल 28,930.27 करोड़ रुपये में से, सबसे ज्यादा 6,452.30 करोड़ रुपये झारखंड सरकार को मिले। इसके बाद ओडिशा का स्थान रहा जिसे 6,383.14 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ को 5,432.02 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 5,177.41 करोड़ रुपये तथा महाराष्ट्र को 2,782.25 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।कोयला उत्पादक राज्यों ने रॉयल्टी, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) और नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एनएमईटी) सहित अन्य से राजस्व अर्जित किये।

भारत से इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात का अवसरों को टटोलेंगे: हुंदै मोटर

नई दिल्ली ।
हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आगामी इलेक्ट्रिक वाहनों को देश से अन्य बाजारों में निर्यात करने के अवसरों को टटोलेगी। कंपनी उभरते बाजारों के लिए उत्पादन केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बढ़ाने के लिए यह कदम उठा रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहा। कंपनी भविष्य में चार इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की योजना बना रही है। इसमें वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही तक उसकी लोकप्रिय स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) क्रेटा का इलेक्ट्रिक संस्करण भी शामिल है। उन्होंने ककि कि हम उभरते बाजारों के लिए एक बहुत मजबूत उत्पादन केंद्र हैं। हम 80 से अधिक देशों को निर्यात कर रहे हैं। जहां तक ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) का सवाल है, यह निश्चित रूप से मांग पर निर्भर करेगा। कंपनी जो भी उत्पाद भारत में पेश करती है, हम उसे उसे अन्य बाजारों में निर्यात करने को लेकर गौर करने के लिए हमेशा तैयार होते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी भविष्य में यहां पेश होने वाली अपनी इलेक्ट्रिक वाहन का निर्यात करेगी, उन्होंने कहा कि ईवी के निर्यात के संदर्भ में यह बुनियादी ढांचे पर निर्भर करेगा। यह मांग पर निर्भर करेगा लेकिन यह सही है कि आने वाले समय में हम इस मामले में उपलब्ध अवसरों पर गौर करेंगे।' उन्होंने कहा कि ये उत्पाद मुख्य रूप से भारतीय बाजार के लिए हैं। हमारी रणनीति हमेशा यह रही है कि उत्पादों को भारतीय बाजारों के केंद्र में रखा जाए ताकि पैमाने की मितव्ययिता हासिल की जा सके। अधिकारी ने कहा कि जैसा कि कंपनी ने पूर्व में किया है, वह अन्य उभरते बाजारों में अवसर तलाशेगी जहां भारत के ग्राहकों जैसी पसंद है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर हम भारत में जो भी उत्पाद तैयार करते हैं, वे अफ्रीका, पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका, मध्य अमेरिका, एशिया जैसे उभरते बाजारों के लिए बहुत उपयुक्त होते हैं। इसीलिए हमारे लिए ईवी को निर्यात करने पर विचार करना बहुत स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि हुंदै न केवल ईवी ला रही है, बल्कि संपूर्ण परिवेश भी विकसित कर रही है। कंपनी वर्तमान में लगभग 45 लाख रुपये की कीमत वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी आईओएनआईक्यू5 बेचती है।

मांग बढ़ने से अधिकांश तेल-तिलहन में सुधार देखा गया

नई दिल्ली ।
आयातित खाने के तेलों की कम आपूर्ति के बीच बढ़ती त्योहारी मांग की वजह से देश के थोक तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम में मजबूती रही तथा मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार दर्शाते बंद हुए। दूसरी ओर, सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन और बिनौला की आवक निरंतर घट रही है। किसानों से जो ऊपज तेल संयंत्रों को मिलना था, उस सौदे को स्टॉकिस्ट जमा कर रहे हैं। किसान अपनी ऊपज सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेचने को लेकर कहीं अधिक आश्वस्त नजर आ रहे हैं क्योंकि मंडियों में उनकी ऊपज के दाम लगभग 10 प्रतिशत कम लगाये जा रहे हैं। सरकार को सोयाबीन बेचने के लिए किसान अपना पंजीकरण कराने में लगे हैं और खुले मंडियों में कम ऊपज ला रहे हैं। इस कम आपूर्ति की वजह से सोयाबीन तिलहन कीमत में सुधार है।उन्होंने कहा कि दूसरी ओर मंडियों में कम आपूर्ति के बीच आयात की भी कमी रहने के

कारण सोयाबीन तेल के भाव पूर्वस्तर पर बने हुए हैं। सोयाबीन तेल अभी भी प्रीमियम के साथ बिक रहा है।सूत्रों ने कहा कि शुक्रवार को मलेशिया एक्सचेंज मजबूत बंद हुआ था जिस वजह से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार है। उन्होंने कहा कि आवक घटने के कारण बिनौला तेल कीमत में सुधार है। कपास नरमा का भाव मजबूत बना हुआ है। शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे: सरसों तिलहन 6,650-6,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,375-6,650 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,100 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,285-2,585 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 13,975 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,180-2,280 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,180-2,295 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 12,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,700 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 12,150 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 12,850 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 13,775 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 12,575 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,725-4,770 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,425-4,660 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का)- 4,225 रुपये प्रति क्विंटल।

डेटा लीक के बाद साइबरहैकर्स ने स्टार हेल्थ से 68,000 डॉलर की फिरौती मांगी

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी स्टार हेल्थ ने कहा कि उसे ग्राहक डेटा और मेडिकल रिकॉर्ड के लीक होने के मामले में एक साइबर हैकर से 68,000 डॉलर की फिरौती की मांग मिली है। स्टार हेल्थ का मार्केट कैप लगभग 4 बिलियन डॉलर है। कंपनी वर्तमान में प्रतिष्ठा और व्यावसायिक संकट से जूझ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार एक हैकर ने ग्राहकों के संवेदनशील डेटा को लीक करने के लिए टेलीग्राम चैटबॉट्स और एक वेबसाइट का इस्तेमाल किया था, जिसमें टैक्स विवरण और मेडिकल क्लेम पेपर शामिल थे। कंपनी जिसके शेयरों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है, ने आंतरिक जांच शुरू की है और टेलीग्राम और हैकर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है, जिसकी वेबसाइट स्टार ग्राहकों के डेटा के नमूने साझा करना जारी रखती है। स्टार, जिसने पहले कहा था कि वह एक लक्षित दुर्भावनापूर्ण साइबर हमले का शिकार है, ने हाल ही में पहली बार खुलासा किया कि अगस्त में धमकी देने वाले ने कंपनी के प्रबंध निदेशक और उसके प्रमुख को संबोधित एक ईमेल में 68,000 डॉलर की फिरौती की मांग की थी।

एशियाई टेटे चैंपियनशिप 2024 : अयहिका-सुतीर्था ने जीता ऐतिहासिक कांस्य पदक; भारत ने तीन पदकों के साथ समाप्त किया अभियान

नई दिल्ली।

भारत की शीर्ष क्रम की महिला युगल जोड़ी अयहिका मुखर्जी और सुतीर्था मुखर्जी ने रविवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 में सेमीफाइनल में हार के बाद ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता।

अयहिका और सुतीर्था एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल टेबल टेनिस जोड़ी बन गईं। आपको बता दें, गूल नासिकवाला ने 1952 में उद्घाटन संस्करण में जापान की योशिको तनाका के साथ महिला युगल में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

टेबल टेनिस रैंकिंग में 15वें स्थान पर मौजूद भारतीय जोड़ी को जापान के विश्व नंबर 33 मिवा हरिमोटो और मियु किहारा से 3-0 (11-4, 11-9, 11-9) स्कोर से हार मिली। एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में हारने वाले सेमीफाइनलिस्टों को कांस्य पदक से सम्मानित किया जाता है। अयहिका और सुतीर्था ने दूसरे गेम में अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ चार अंकों की बढ़त हासिल की। हालांकि, जापान की पेरिस 2024 ओलंपिक रजत पदक टीम का हिस्सा मिवा हरिमोटो और तीन बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता मियु किहारा ने भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों के बढ़त को कम किया और मैच में आक्रमक वापसी की।

मुखर्जी बहनों की जोड़ी ने पिछले साल एशियाई खेलों में महिला युगल में भारत के लिए पहला पदक, कांस्य जीतकर इतिहास रचा था। पिछले साल ट्यूनिस में, अयहिका और सुतिर्था डब्ल्यूटीटी कंटेंडर महिला युगल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

भारत ने एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2024 को तीन पदकों के साथ समाप्त किया, जिनमें सभी कांस्य पदक शामिल रहे। भारतीय महिला टीम ने जापान के खिलाफ सेमीफाइनल में हारने के बाद ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता। एशियन टेबल टेनिस यूनियन (एटीटीयू) द्वारा 1972 में प्रतियोगिता का आयोजन शुरू करने के बाद से महिला टीम स्पर्धा में यह भारत का पहला पदक था। भारतीय पुरुष टीम ने अपना लगातार तीसरा कांस्य पदक जीता। कुल मिलाकर, एशियाई चैंपियनशिप में भारत की संख्या अब आठ हो गई है, जिसमें सभी आठ कांस्य पदक हैं। पूर्व राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मनिका बत्रा महिला एकल के प्री-क्वार्टरफाइनल में हार गईं, जबकि शरत कमल पुरुष एकल में राउंड ऑफ 64 से आगे नहीं बढ़ सके।

न्यूज ब्रीफ

रणजी ट्रॉफी : हिमाचल के अंकित कलसी का नाबाद दोहरा शतक, तीन विकेट में 663 रनों पर पारी घोषित

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में हिमाचल और उत्तराखंड के बीच खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी के इलीट ग्रुप बी मैच में हिमाचल ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। मैच के दूसरे दिन शनिवार को भी मेजबान हिमाचल के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन जारी रहा जिसके चलते पहली पारी तीन विकेट पर 663 रनों के स्कोर पर घोषित कर दी। वहीं दूसरी ओर बड़े स्कोर का पीछा करते हुए बल्लेबाजी के लिए उतरे उत्तराखंड ने 50 रनों के स्कोर पर अपना एक विकेट खो दिया है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक उत्तराखंड की ओर से ओपनर अवनीश सुधा 24 और वैभव भट्ट एक रन पर नाबाद हैं। इससे पहले ओपनर रविकुमार समर्थ ने 21 रन बनाए वैभव अरोड़ा के शिकार बने। उधर इससे पूर्व आज हिमाचल की ओर से अंकित कलसी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद दोहरा शतक जड़ा। कलसी ने नाबाद 205 रन बनाए जबकि दूसरे ओपनर प्रशांत चोपड़ा ने 171 रनों का योगदान दिया। वहीं उनके आउट होने के बाद चौथे नम्बर पर बल्लेबाजी के लिए आए एकांत सेन ने भी शतक लगाते हुए 101 रन बनाए। इनके आउट होने के बाद आए बल्लेबाज मयंक डागर ने महज 32 गेंदों पर 56 रनों की नाबाद पारी खेली। इसव पूर्व हिमाचल ने आज सुबह एक विकेट पर 300 रनों के स्कोर के आगे खेलना शुरू किया तथा शानदार बल्लेबाजी के दम पर तीन विकेट में ही 663 रनों के बड़े स्कोर के बाद पारी घोषित कर दी। उत्तराखंड की गेंदबाजी की बात करें तो मयंक मिश्रा, स्वप्निल सिंह और युवराज चौधरी ने एक-एक विकेट लिए। उधर हिमाचल की ओर से उत्तराखंड का एकमात्र विकेट गेंदबाज वैभव अरोड़ा को मिला।

वुहान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं झेंग किनवेन

वुहान। चीन की झेंग किनवेन ने इटली की तीसरी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी को 6-2, 3-6, 6-3 से हराकर शुक्रवार रात वुहान ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह मैच दो घंटे 14 मिनट तक चला, जिसमें झेंग ने 10 ऐस लगाकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेट में शुरू से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। शुरुआती गेम में झेंग पहले 0-30 से पिछड़ रही थीं, लेकिन पाओलिनी की सर्विस तोड़ने के लिए उन्होंने शानदार लचीलापन दिखाया। अगले कुछ गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बरकरार रखी, लेकिन झेंग ने इसके बाद लगातार तीन गेम जीतकर सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में पाओलिनी ने वापसी की और झेंग की सर्विस दो बार तोड़कर 6-3 से जीत दर्ज की। निर्णायक तीसरे सेट की शुरुआत दोनों खिलाड़ियों द्वारा 3-3 तक अपनी सर्विस बनाए रखने से हुई। इसके बाद झेंग ने बेहतर प्रदर्शन किया और पाओलिनी की सर्विस तोड़कर अपनी सर्विस को बनाए रखते हुए मैच को 6-3 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद झेंग ने कहा, पाओलिनी ने आज बहुत अच्छा खेला। उनका आक्रामक खेल बहुत ही शानदार था और यह निश्चित रूप से टूर्नामेंट का मेरा अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण मैच था। उन्होंने घरेलू दर्शकों के समर्थन के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। झेंग ने घरेलू धरती पर अपनी हाल की सफलताओं को याद करते हुए कहा, जब मैं ऊर्जा से वंचित थी, तब आपने मुझे आगे बढ़ाया। आपके समर्थन ने बहुत बड़ा अंतर पैदा किया और मैं आपके बिना सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाती।

हांगकांग क्रिकेट सक्सेस टूर्नामेंटः रॉबिन उथप्पा करेंगे भारतीय टीम का नेतृत्व

नई दिल्ली। रॉबिन उथप्पा 1 से 3 नवंबर तक होने वाले हांगकांग क्रिकेट सिक्सेस टूर्नामेंट में सात सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। टीम के बाकी खिलाड़ियों में भरत चिपली, केदार जाधव, मनोज तिवारी, शाहबाज नदीम, श्रीवत्स गोस्वामी और स्टुअर्ट बिन्नी शामिल हैं। हांगकांग क्रिकेट सिक्सेज टूर्नामेंट 2017 के बाद पहली बार लौट रहा है और टिन क्वांग रोड क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। इस आयोजन में 12 देश शामिल होंगे, जो सिक्स-ए-साइड मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। 12 टीमों को तीन-तीन के चार पूल में विभाजित किया जाएगा, जो राउंड-रॉबिन प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। जबकि क्वार्टर फ़ाइनल के विजेता कप सेमीफ़ाइनल में प्रवेश करेंगे, क्वार्टर फ़ाइनल के हारने वाले प्लेट सेमीफ़ाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। प्रत्येक पूल में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम बाउल प्रतियोगिता खेलेगी। तीन दिवसीय टूर्नामेंट में कुल 29 मैच खेले जायेंगे। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मनाने के लिए टूर्नामेंट के अंतिम दिन एक महिला प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया जाएगा।

चौके-छक्कों की बारिश के बीच भारतीय टीम ने टी20 श्रृंखला में किया क्लीव स्वीप, 133 रन से जीता तीसरा टी20 मैच

हैदराबाद।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों की ओर से हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में कमाल का प्रदर्शन देखने को मिला। बांग्लादेश के खिलाफ इस मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों ने 22 छक्के और 25 चौके लगा टी20 क्रिकेट में भारतीय टीम का 297 रन का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के शानदार शतक और कप्तान सूर्यकुमार यादव की ताबड़तोड़ पारी ने दर्शकों को काफी आनन्दित किया। आखिर में रियान पराग और हार्दिक पंड्या ने तेजतर्रार पारी खेल टीम को रिकॉर्ड स्कोर तक पहुंचाया। टीम इंडिया का यह स्कोर टेस्ट प्लेइंग नेशन में सबसे बेहतर है। इस विशाल लक्ष्य के आगे बांग्लादेश के बल्लेबाज पूरी तरह दबाव में दिखे और 20 ओवर में मात्र 164 रन ही बना सके। इस तरह भारत ने 133 रन से मैच में जीत के साथ श्रृंखला में क्लीव स्वीप किया।

22 छक्के, 25 चौकों की मदद से भारत ने टी20 में बनाया रिकॉर्ड स्कोर

298 रन के लक्ष्य को लेकर बल्लेबाजी करने उतरी मेहमान बांग्लादेश की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। पारी की पहली ही गेंद पर परवेज हुसैन बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कप्तान नजमुल होसैन शंटो ने तंजिद हसन के साथ पारी को आगे बढ़ाया और तेजी से रन बनाने भी शुरू किए। हालांकि चौथे ओवर में तंजिद भी 15 रन बनाकर आउट हो गए। फिर कप्तान शंटो भी 14 के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गए। पांच ओवर में 59 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद तौहिद हृदय और लिटन दास ने मोर्चा संभाला। इन दोनों ने बांग्लादेश की पारी का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। तभी लिटन 42 रन बनाकर आउट हो गए। लिटन के बाद कोई दूसरा बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा देर नहीं टिका। हालांकि तौहिद हृदय आखिर तक नाबाद रहे, उन्होंने 63 रन की पारी खेली।

भारत के लिए रवि विश्नोई ने तीन विकेट और मयंक यादव ने दो विकेट चटकाए। जबकि वाशिंगटन सुंदर और नितीश रेड्डी को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले, भारतीय टीम ने कई रिकॉर्डों को तोड़ते हुए टी20 क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया आज अलग ही रंग में दिखी। भारतीय बल्लेबाजों ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। टीम इंडिया ने 100 रन का आंकड़ा सिर्फ 7.1 ओवर में छुआ और 10 ओवर होते-होते 150 रन भी पूरे किए। इस दौरान भारतीय टीम ने टी20 क्रिकेट के इतिहास के सबसे तेज 100, 150, 200 और 250 रन पूरे किए। टीम के लिए संजू सैमसन ने 46 गेंदों में 111 रनों की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने 11 चौके और 8 छक्के जड़े। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 35 गेंदों पर 75 रन बनाए। सूर्या ने 8 चौके और 5 छक्के जड़े। फिर रियान पराग ने 13 गेंदों में एक चौका और चार छक्कों की मद से 34 रन बनाए। तो हार्दिक पंड्या में 18 गेंदों पर 47 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। इस तरह 22 छक्के और 25 चौकों की मदद से भारत ने 297 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

बांग्लादेश की तरफ से तंजिम हसन शकीब ने सबसे अधिक तीन विकेट चटकाए। जबकि तस्कीन अहमद, महमदुल्लाह और मुस्तफिजुर रहमान को एक-एक विकेट मिला।

आईएसएल 2024-25 में युवा खिलाड़ियों ने बिखेरी चमक

नई दिल्ली।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सीजन 11 का रोमांच जारी है और नई पीढ़ी के फुटबॉलर अपनी छाप छोड़ कर सुर्खियां बटोर रहे हैं। आईएसएल में शुरुआती चार मैचवीक का खेल पूरा हो चुके हैं। इस दौरान युवा प्रतिभाओं ने मैदान पर अपने प्रदर्शन से प्रशंसकों, कोचों और पंडितों को हैरान कर दिया है। इस दौरान जिन खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया हैं, आइये उन पर एक नजर डालते हैं- विनीत वेंकटेश (बेंगलुरू एफसी) बेंगलुरू एफसी अकादमी के प्रोडक्ट विनीत वेंकटेश ने इस सीजन में अपने आईएसएल करियर का आगाज किया और ब्लूज की सफलता में अहम योगदान दिया है। विनीत ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए चार मैचों में एक गोल और एक में असिस्ट किया है। उन्होंने 75 प्रतिशत की सटीकता से प्रति मैच 17 पास किए हैं, 13 द्वंद जीते है और दो ड्रिबल पूरे किए हैं। वह आईएसएल इतिहास में अपने शुरुआती दो मैचों में से प्रत्येक में गोल योगदान देने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। डेविड लालहलानसांगा हमार (ईस्ट बंगाल एफसी) , ईस्ट बंगाल एफसी के 22 वर्षीय डेविड लालहलानसांगा हमार अब तक तीन मैचों में सिर्फ 43 मिनट में खेलने का अवसर मिला है, लेकिन वह अपने अवसरों को भुनाकर एफसी गोवा के खिलाफ गोल करने में सफल रहे। इससे वह आईएसएल में ईस्ट बंगाल के लिए गोल करने वाले पांचवें सबसे युवा स्कोरर (22 वर्ष और 305 दिन) बन गए। मोहम्मद ऐमेन (केरल ब्लास्टर्स एफसी) केरला ब्लास्टर्स एफसी के मिडफील्डर ने चार मैचों में दो गोल में सहायता प्रदान की हैं। उन्होंने 84 प्रतिशत सटीकता के साथ प्रति मैच नौ पास किए हैं, एक इंटरसेप्शन किया, तीन द्वंद जीते और पांच रिकवरी की है। ऐमेन का शानदार प्रदर्शन जारी है, 2024 में उनके द्वारा दी गई चार गोल में सहायता केरला ब्लास्टर्स के भारतीय खिलाड़ियों के बीच एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक हैं। पीएन नौफल (मुंबई सिटी एफसी) मुम्बई सिटी एफसी के पीएन नौफल ने मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ सीजन के पहले मैच में सहायता प्रदान की थी। 23 साल और 319 दिन की उम्र में ऐसा करके सबसे युवा खिलाड़ी थे। नौफल ने मैदान पर 69 प्रतिशत सटीकता के साथ प्रति मैच 13 पास किए, तीन गोल स्कोरिंग मौके बनाए और दो रिकवरी भी की।

जयदेव उनादकट ने ससेक्स के साथ अपना अनुबंध दो साल के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली।

भारतीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2025 और 2026 काउंटी चैंपियनशिप सीज़न के लिए ससेक्स के साथ दो साल का अनुबंध विस्तार किया है। उनादकट ने पहली बार 2023 में ससेक्स के साथ करार किया था और अपने पहले सीज़न में उन्होंने तीन मैचों में 11 विकेट चटकाए थे। वह 2024 में टीम में लौटे और पांच मैचों में 14.40 की औसत से 22 विकेट चटकाए। गेंद के साथ उनके बेहतरीन प्रदर्शन ने सीधे तौर पर ससेक्स को डिवीजन टू का खिताब जीतने में मदद की।

टीम द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में उनादकट के हवाले से कहा गया, जब मैं पिछले साल होव आया था, तो मुझे यकीन नहीं था कि काउंटी चैंपियनशिप में क्या होगा और मैं इसके लिए कैसे खुद को ढाल पाऊंगा। लेकिन अब कुछ खेलों के बाद, मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि होव मेरे घर से दूर मेरा दूसरा घर है और गुड ओल्ड ससेक्स बाय द सी मेरा दिल जीत लेता है।

ससेक्स के मुख्य कोच पॉल फरब्रेस ने एक खिलाड़ी और एक व्यक्ति के रूप में टीम को प्रदान की जाने वाली गुणवत्ता के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, होव में हर कोई बहुत खुश और उत्साहित है कि जयदेव [उनादकट] ने दो साल के विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं और अगले दो

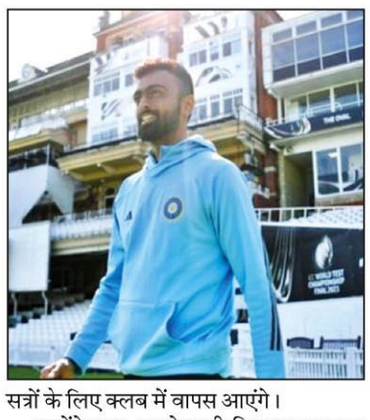

सत्रों के लिए क्लब में वापस आएंगे।

उन्होंने कहा, जयदेव की पिच पर गुणवत्ता हर किसी के लिए स्पष्ट है, लेकिन एक व्यक्ति के रूप में उनके गुण उन्हें सबसे लोकप्रिय और सबसे अच्छे लोगों में से एक बनाते हैं, जिनकी कोई भी टीम कामना कर सकती है।

उनादकट वर्तमान में रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र का नेतृत्व कर रहे हैं, जो शुक्रवार से शुरू हुई। विशेष रूप से, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में, उनादकट ने सनराइजर्स हैदराबाद के साथ उनका एक निराशाजनक सीजन रहा, जिसमें उन्होंने 11 मैचों में 10.24 की इकॉनमी से 8 विकेट लिए।

महिला टी20 विश्व कप: ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 9 विकेट से हराया

दुबई।

ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान पर 9 विकेट से जीत दर्ज करके महिला टी20 विश्व कप में अपनी लगातार 14वीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ग्रुप ए में शीर्ष पर अपनी जगह बनाए रखी।

83 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए गत विजेता टीम ने बेथ मूनी का विकेट जल्दी खो दिया। 36 के कुल स्कोर पर सादिया इकबाल ने बेथ मूनी को पवेलियन भेज पाकिस्तान को पहला झटका दिया। मूनी ने 15 गेंद पर 15 रन बनाए।

दूसरे छोर पर हीली ने अपना आक्रमण जारी रखा, हालांकि 10वें ओवर में 69 के कुल स्कोर पर कप्तान एलिसा हीली एक तेज सिंगल लेते समय चोटिल हो गईं और रिटायर्ड हर्ट हों गईं। उन्होंने 23 गेंदों पर 37 रन बनाए। इसके बाद एलिस पेरी (22) और एश्ले गार्डनर (07) ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और 11वें ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 83 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया

को जीत दिला दी।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पाकिस्तान को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया को शुरुआत में तेज गेंदबाज तायला व्लामिनक के कंधे में चोट लगने से झटका लगा। बावजूद इसके ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती छह ओवरों में पाकिस्तान के केवल 23 रन पर दो विकेट चटका दिये। मुनीबा अली 7 रन पर सोफी मोलिनक्स की गेंद पर फोबे लिचफील्ड को कैच थमाकर आउट हुईं और उसके बाद सदाफ शमास 3 रन पर मेगन शुट्ट की गेंद पर विकेट के पीछे कैच देकर पवेलियन लौट गईं। हालांकि इसके बाद पाकिस्तान के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे।

सिदरा अमीन को 12 रन के स्कोर पर एनाबेल सदरलैंड ने पवेलियन भेजा। उसके बाद जॉर्जिया वेयरहम ने ओमैमा सोहेल को 3 रन के स्कोर पर आउट कर दिया, जिससे पाकिस्तान की स्थिति और खराब हो गई। यहां से आलिया रियाज ने 32 गेंदों पर 26 रन बनाकर पाकिस्तान को 82 रनों के कुल स्कोर तक पहुंचाया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ले गार्डनर ने चार ओवर में 21 रन देकर चार विकेट लिए। एनाबेल सदरलैंड और जॉर्जिया वेयरहैम ने दो-दो विकेट लिए।

हॉकी इंडिया लीग पुरुष नीलामी: 550 से अधिक खिलाड़ियों की लगेगी बोली

नई दिल्ली।

हॉकी इंडिया लीग का बहुप्रतीक्षित 2024 संस्करण रविवार को नई दिल्ली में पुरुषों की नीलामी के साथ शुरू होने वाला है। इस साल के अंत में राउरकेला में हॉकी इंडिया लीग शुरू होने पर आठ पुरुष टीमों में से एक में शामिल होने का मौका पाने के लिए 400 घरेलू और 150 से अधिक विदेशी पुरुष खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। प्रत्येक टीम के पास खिलाड़ियों को चुनने के लिए 4 करोड़ का पर्स होगा, जिन्हें अगले दो दिनों में तीन बेस प्राइस स्लैब 2 लाख, 5 लाख और 10 लाख के तहत वर्गीकृत किया गया है। नीलामी में हरमनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह मनदीप सिंह, संजय, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, अभिषेक, कृष्ण बी पाठक, सुमित, विवेक सागर प्रसाद जैसे सितारे शामिल होंगे। इनके अलावा रूपिंदर पाल सिंह, बीरेंद्र लाकड़ा और धर्मवीर सिंह जैसे पूर्व

400 से अधिक घरेलू और 150 से अधिक विदेशी पुरुष खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए कराया पंजीकरण

भारतीय हॉकी दिग्गजों ने भी पंजीकरण कराया है। एसजी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली दिल्ली स्थित टीम का नाम एसजी पाइपर्स रखा गया है। एसजी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ महेश भूपति, हॉकी निदेशक पीआर श्रीजेश, मुख्य कोच ग्राहम रीड और सहायक कोच शिवेंद्र सिंह के साथ नीलामी में टीम का नेतृत्व करेंगे। एम एंड सी प्रॉपर्टी डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली तमिलनाडु स्थित टीम को तमिलनाडु ड्रैगन्स कहा जाएगा। सीएमडी श्री जोस चार्ल्स मार्टिन, श्री जोसेफ सेलवन, श्री रीन वान ईजक और श्री चार्ल्स डिक्सन के साथ टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। श्राची स्पोर्ट्स एंडेवर प्राइवेट लिमिटेड ने कोलकाता स्थित टीम का नाम श्राची रारह बंगाल टाइगर्स रखा है। श्राची स्पोर्ट्स एंडेवर प्राइवेट लिमिटेड के नीरज ठाकुर और सौरव सिकदर के साथ जगराज सिंह, रोमेश पठानिया, अभिषेक शर्मा, दीपक ठाकुर और एड्रियन डिसूजा भी होंगे। हैदराबाद स्थित टीम, जिसका स्वामित्व रेसोल्यूट स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के पास है। लिमिटेड, को हैदराबाद तूफ़ान कहा जाएगा। आलोक सांघी, एमडी के साथ सिद्धांत गौतम, महाप्रबंधक और टीम निदेशक सिद्धार्थ पांडे, प्रमुख कोच पाशा गैडमैन, सहायक कोच एमिली काल्डेरन और संजय बीर और वैज्ञानिक सलाहकार रॉबिन आर्केल होंगे। यदु स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली लखनऊ स्थित टीम का नाम यूपी रुद्र रखा गया है। पॉल वान ऐस, थॉमस टिचेलमैन और सेड्रिक डिसूजा यूपी रुद्राज़ के लिए कोचिंग सेट अप का हिस्सा होंगे। जेएसडब्ल्यू पंजाब और हरियाणा का स्वामित्व जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के पास है। उनकी टीम में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सीओओ दिव्यांशु सिंह, अर्जुन हलप्पा, जेरोन बार्ट, सरदार सिंह, माइकल कॉस्मा और श्रीनिवास मूर्ति शामिल होंगे। ओडिशा टीम का स्वामित्व वेदांता लिमिटेड के पास है। वेदांता लिमिटेड के सुनील गुप्ता और मानसी चौहान टीम में करियप्पा बी.जे., डेविड जॉन और डॉ. एबी सुब्बैया के साथ शामिल होंगे। टीम गोनासिका, जो विशाखापत्तनम में स्थित है, का नेतृत्व तारिणी प्रसाद मोहंती करेंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा,हॉकी इंडिया लीग एक पुनर्निर्मित लीग के रूप में अपना पहला कदम उठा रही है और हम वर्षों की योजना और कड़ी मेहनत के बाद इसे आगे बढ़ते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। हमारे पास नीलामी में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की अभूतपूर्व संख्या है, जो दर्शाता है कि प्रशंसक और खिलाड़ी समान रूप से लीग की वापसी के लिए उत्सुक हैं। हॉकी इंडिया लीग बेहद सफल होने जा रही है और हम खिलाड़ियों को अपनी जर्सी पहनकर मैदान में उतरने का और इंतजार नहीं कर सकते। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, नीलामी के लिए सभी तैयारियां हो चुकी हैं। अगले कुछ दिनों में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की नीलामी होने वाली है और मैं उन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने नीलामी के लिए अपना पंजीकरण कराया है।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

बच्चों के साथ हो दोस्ती

सोशल नेटवर्किंग साइट पर भी अपने बच्चों से हमेशा जुड़े रहिए, इससे आप उनकी हर वक्त की गतिविधि के बारे में जानकारी ले सकेंगे। इसके लिए अपने बच्चे के साथ दोस्ती कीजिए, उनकी फ्रेंडलिस्ट में खुद को शामिल कीजिए, और उनके हर वक्त के अपडेट से अवगत होते रहिए।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद हैं भिंडी!

भिंडी हरी सब्जियों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यह सेहत के लिए बहुत लाभदायिक होती है। भिंडी को खाने के अलावा भी इसके कई फायदे हैं। आप इसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह भी इस्तेमाल कर सकते है। आप भिंडी का इस्तेमाल करके खूबसूरत दिख सकती है। ज्यादा देर तक धूप में रहने से हमारी स्किन काली हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर लगा सकते है।

अंगुलियां चटकाना हो सकता है नुकसानदायक

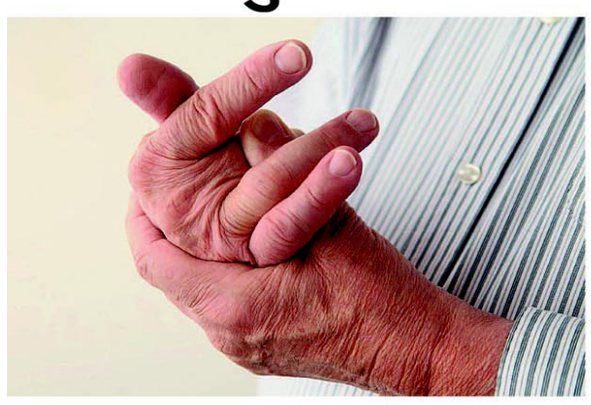

उंगुलियां चटकाने से उंगुलियां के आसपास के मसल्स को काफी आराम मिलता है इसलिए उंगुलियां चटकाने की आदत हर दूसरे इंसान को होती है। जबकि ये आदत गठिया जैसे रोग को जन्म दोती है। अगर आपको भी है ये आदत तो इस तरह से छुड़ाएं अपनी ये आदत।

कैसे चटकती हैं उंगुलियां

ऑफिस में बैठे-बैठे या कुछ पढ़ते व लिखते वक्त आप अपने आप उंगुलियों को फोड़ने या चटकाने लगते हैं। ऐसा अमूमन हर दूसरा इंसान करता है। उंगुलियों के चटकने के बाद हाथों को काफी आराम मिलता है जिस कारण लोग और अधिक उंगुलियां चटकाने लगते हैं। कई लोग तो गर्दन की हड्डियां भी सुबह-सुबह उठकर चटकाते हैं। जबकि इस तरह से हड्डियों को या उंगुलियों को चटकाना काफी नुकसानदेह होता है। तो आइए आज हम जानते हैं, उंगुली चटकाने से होने वाले नुकसान और इसे छोड़ने के तरीके।

गठिया का रोग

उंगुलियां चटकाने से गठिया जैसी खतरनाक बीमारी होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार उंगलियों की हड्डियों को चटकाना गठिया रोग का कारण बनता है। इस रिपोर्ट के अनुसार हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं जिसे जोड़ कहते हैं। इन जोड़ों के बीच एक द्रव होता है जो उंगुलियों के चटकने के दौरान कम हो जाता है। ये द्रव जोड़ों में ग्रीस के समान होता है जो हड्डियों को आपस मे रगड़ खाने से रोकता है। ऐसे में बार-बार उंगुलियों के चटकने से जोड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है। साथ ही हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक भी नष्ट हो जाते हैं जिससे गठिया जैसे रोग हो जाते हैं।

इस कारण पड़ती है ये आदत

लगभग हर इंसान को ये आदत होती है। जबकि इस आदत के बारे में कोई किसी को सिखाता भी नहीं है। तो ऐसे में सवाल उठता है कि ये आदत कैसे पड़ती है? दरअसल उंगलियों को चटकाने से जोड़ों के आसपास की मसल्स और हाथों को आराम मिलता है। इसलिए लोग लिखते-पढ़ते या ऑफिस व अन्य जगह में बैठे-बैठे ही उंगलियां चटकाने लगते हैं क्योंकि ऐसा करने से उन्हें आराम मिल जाता है।

इस तरह से रोकें

उंगुलियां चटकाना उंगलियों की हड्डियों के जोड़ों को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में इस आदत को रोकना बहुत जरूरी है। इस आदत को रोकने के लिए ध्यान दें। जब भी आप पढ़ते या लिखने या काम करते वक्त ऐसा करते हैं तो उस वक्त खुद पर फोकस करें। अगर आप कभी गलती से उंगुलियां चटकाने लगते हैं तो तुरंत छोड़ दें। चाहे उंगुलियां कितनी भी दर्द दे रही हों।

हाथों को व्यस्त रखें

उंगुलियां चटकाने से खुद को रोकने के लिए अपने हाथों को वयस्त रखें। क्योंकि कई बार लोग खाली वक्त में मेट्रो या बस में बैठे-बैठे भी उंगुलियां चटकाने लगते हैं। तो ऐसी स्थिति में अपनी उंगुलियां चटकाने के बजाय पेंसिल या सिक्के से खेलना शुरू करें। या फिर ऑफिस में बैठे-बैठे ऐसा करते हैं तो उस समय कुछ लिखने लगें या ड्राइंग बनाने लगें।

शिशु को दर्द दिए बिना हटाएं त्वचा के रोएं

यह बिल्कुल सच है कि एक मां अपने बच्चे के स्वास्थ्य और उसके सौंदर्य को लेकर काफी चिंतित रहती है। शिशुओं के चेहरे और शरीर पर अत्यधिक रोएं या बाल उनकी सुंदरता को प्रभावित करती है। लेकिन नवजात शिशु के चेहरे और शरीर पर रोएं आनुवंशिक कारणों से पहले से ही निर्धारित होते हैं, इन्हें हटाने के लिए ज्यादा कुछ करना खतरनाक साबित हो सकता है लेकिन इसके लिए कुछ घरेलू उपाए अपना सकते हैं,

उबटन है मददगार

आमतौर पर घर के बड़े-बुजुर्ग बाल हटाने के लिए पारंपरिक घरेलू उपचार आजमाने का सुझाव देते हैं, जो कि काफी मददगार होता है। कुछ लोग मानते हैं कि बेसन और हल्दी से बना उबटन या फिर आटे, कच्चे दूध और गुलाब जल का लेप भी रोएं हटाने में मदद करता है। हालांकि ये घरेलू नुस्खे काफी प्रचलित हैं। लेकिन इसका बैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इसमें यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कच्चे दूध में ई-कॉली और साल्मोनेला जैसे जीवाणु हो सकते हैं, जो कि आपके शिशु को दस्त (डायरिया) और पेचिश जैसी बीमारियां पैदा कर सकते हैं।

ऑलिव ऑयल है खास

ऑलिव ऑयल नवजात शिशु की त्वचा और उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में बहुत ही खास

भूमिका अदा करता है, लेकिन इसकी एक और खूबी है। यदि नवजात शिशु को प्रतिदिन सुबह और शाम ऑलिव ऑयल की मालिस की जाए तो चेहरे और शरीर के रोएं को कम किया जा सकता है। यह त्वचा की सुंदरता के लिए भी खास है।

गेहूं और चने का आटा

जिन आटों की हम घर में रोटियां बनाकर खाते हैं, उनका प्रयोग नवजात शिशु के शरीर के रोंए हटाने में कर सकते हैं। इसके लिए गेहूं और चने का आटा को बराबर मात्रा में पानी के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु की त्वचा पर हल्के हाथों से धीरे-धीरे रगड़ें। जन्म के एक से चार महीनों के बीच इसका फायदा दिखने लगेगा।

मसूर दाल व बदाम का पेस्ट

अपने नवजात शिशुओं की त्वचा के रोएं हटाने के लिए एक बहुत ही आसान तरीका है। मसूर की दाल और बदाम का पेस्ट बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इसके लिए दाल और बादाम को बराबर मात्रा में दूध के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु को मालिश कर सकती हैं। इन घरेलू उपायों के बाद भी अगर त्वचा के काले और बड़े बालों से निजात नही मिल रहा है तो इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

चिरौंजी है गुणकारी

नवजात शिशु की त्वचा से रोएं हटाने के लिए चिरौंजी बहुत ही गुणकारी होता है। एक कप चिरौंजी को रात में सोने से पहले पानी में भिगो दें। सुबह तक चिरौंजी फूल जाएगी, जिसे मिक्सर से पीस लें। इसके बाद हल्के हाथों से अपने शिशु के शरीर पर लगाएं। प्रतिदिन करने से थोड़े ही दिनों में इसका लाभ दिखने लगेगा।

इस तरह करें प्लास्टिक चावल की पहचान...

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे प्लास्टिक चावल? चीन से आने वाला यह प्लास्टिक चावल दिखने में बिल्कुल असली चावल की तरह ही दिखाई देता है। और तो और पकने के बाद भी आप प्लास्टिक चावल और असली चावल में फर्क नहीं कर सकते। असली चावल के साथ मिलाकर बाजारों में बिकने वाला यह चावल, असली चावल में इस कदर मिल जाता है, कि आप इसके रूप, रंग, आकार और यहां तक कि स्वाद में भी फर्क नहीं कर पाएंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस चावल को खाने से आप कैंसर जैसी भयानक बीमारी के शिकार हो सकते हैं। लेकिन उससे भी पहले आप शिकार हो सकते हैं, पेट की बीमारियों के...। एक कटोरी प्लास्टिक चावल, एक बैग पॉलीथिन के बराबर होता है। जरा सोचिए.... प्लास्टिक या पॉलीथिन को खाने के बाद, पेट की क्या हालत होगी ? यह ना तो पचता है, और ना ही सड़ता है।

प्लास्टिक चावल के इन सभी दुष्परिणामों से बचने के लिए इस चावल की पहचान करना बेहद आवश्यक है। अब सवाल यह उठता है, कि प्लास्टिक चावल की पहचान कैसे करें ..। हम आपको बता रहें हैं, कि आखिर कैसे पहचानें प्लास्टिक चावल को। ऐसे करें पहचान -

1. **चमक**- जब आप चावल को ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे प्लास्टिक के चावल असली चावल की तुलना में ज्यादा चमकीला नजर आता है।
2. **आकार**- अगर दो तरह के नकली चावलों को एक साथ मिलकर देखेंगें, तो सारे चावलों की मोटाई और आकार, एक जैसा ही दिखाई देगा।
3. **वजन**- नकली चावल का वजन असली की तुलना में हल्का होता है, इसीलिए तौलने पर नकली चावल की मात्रा अधिक होगी।
4. **भूसी** - नकली चावल बिल्कुल साफ सुथरा होगा, जबकि असली चावल में कहीं न कहीं धान की भूसी मिल ही जाएगी।

बर्तनों से दूर होगी आयरन की कमी

शास्त्रों में भी लोहे की बर्तनों में खाना बनाने की सलाह दी जाती है। इसकी वजह ये है कि खाना पकाते वक्त कढ़ाई से लोहे का कुछ अंश भोजन में मिल जाता है जिससे खाने में पर्याप्त मात्रा में आयरन मिल जाता है। अगर शरीर में हीमोग्लोबीन की कमी हो तो लोहे के बर्तनों में बना खाना खाने से फायदा पहुंचता है। लेकिन लोहे के बर्तनों में खाना बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। रोज इन बर्तनों में खाना बनाने से बचना चाहिए। हफ्ते में केवल एक या दो बार ही पकाएं। खट्टी या फिर एसिड वाली चीजों को इसमे पकाने से बचें। कढ़ी, रसम, सांभर या फिर ऐसी चीजें जिसमें टमाटर का प्रयोग होता हो। लोहे के बर्तनों को धोने के बाद तुंरत तेल की हल्की सी परत लगा दें जिससे जंग ना लगे। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से 100 प्रतिशत तक पोषक तत्व खाने में बने रहते हैं और इसके साथ मिट्टी के अपने गुण और पोषक तत्व भी इसमें समा जाते हैं, जिससे भोजन में मौजूद गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। लंबे समय से लोग तांबे के बर्तन में पानी पीते आ रहे हैं। कई लोग रात को तांबे के बर्तन में पानी भरकर सुबह पीते हैं इससे पेट की सभी बीमारियां दूर होती हैं। स्टेनलेस स्टील के बर्तन अच्छे, सुरक्षित और किफायती विकल्प हैं। इन्हें साफ करना भी बहुत आसान है। लेकिन अगर सेहत को लेकर ज्यादा सजग हैं तो स्टील के बर्तन कम उपयोग में लाएं।

श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि की परेशानियों से मिलेगी निजात

मत्स्यासन दिलाएगा बीमारियों से छुटकारा

योगा एक ऐसी चीज है जिसे यदि रोज किया जाए तो तमाम बीमारियों से शरीर को मुक्त रखा जा सकता है। आजकल योगा का क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा है। मत्स्यासन अकेला ऐसा आसन है, जिसे विधिवत करके अनेक बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। अगर इस आसन का अभ्यास सर्वांगासन के बाद किया जाए तो दोनों आसनों का लाभ दोगुना हो जाता है।

आसन की विधि

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दरी बिछाकर जमीन पर बैठ जाइए। फिर पद्मासन लगाइए। कुहनी का सहारा लेते हुए जमीन पर लेट जाइए। पीछे से सिर के पास हथेली लगाकर सिर को ऊपर उठाकर सिर को इस प्रकार जमीन पर टिकाना चाहिए कि गर्दन, छाती और पीठ अधिक से अधिक ऊपर की तरफ उभरी रहे। शरीर का भार सिर्फ पैरों और सिर पर टिका रहना चाहिए। हाथों से पैरों के अंगूठों को पकड़ लें। दोनों घुटने जमीन से सटे रहेंगे। श्वास-प्रश्वास सामान्य रहेगी। इस क्षमता के अनुसार आसन का अभ्यास 1 से 5 मिनट तक करें। वापस आते समय सबसे पहले हथेली का सहारा लेकर गर्दन को सामान्य अवस्था में लाएं फिर कुहनी का सहारा लेते हुए धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं। जल्दबाजी न करें। प्रारंभ में अधिकांश लोगों को मत्स्यासन में कठिनाई होती है, इसलिए पहले बैठकर पद्मासन का अभ्यास करना चाहिए और इसके बाद मत्स्यासन का अभ्यास करना चाहिए।

...तो ये हैं आसन के लाभ

पाचन संस्थान, आमाशय, यकृत, गुर्दे और फेफड़ों पर प्रभाव डालकर इन अंगों से संबंधित रोगों में यह आसन चमत्कारिक लाभ देता है। इस आसन से फेफड़े, श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि के विकार दूर होते हैं। फेफड़े में अतिरिक्त हवा भरने से उनके बंद कोष खुल जाते हैं। यह आसन दमा, क्षय व अन्य श्वसन संस्थान के रोगों में लाभ प्रदान करता है। सर्वांगासन के बाद यह आसन किया जाएं तो सर्वांगासन के दौरान गर्दन और ग्रीवामणि की पेशियों में जो तनाव आता है, वह दूर हो जाता है। यह आसन मेरु दंड और पीठ दर्द के रोगों के लिए भी लाभकारी है। गैस्ट्रिक, गले से संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप, हाइपो थॉयरोडिज्म आदि में भी उपयोगी है।

रेसिपी

कन्द वेफर

सामग्री

2 कप छिले और पतले कटे हुए कन्द
1 टी-स्पून तेल
2 टी-स्पून ताजी पिसी हुई कालीमिर्च
सेंधा नमक , स्वादअनुसार

विधि

माइक्रोवेव सुरक्षित प्लेट में बटर पेपर रखें और ½ कप कंद के टुकड़ो को फैला दें। टुकड़ो के बीच उपयुक्त स्थान रखें और उन्हें एक के उपर ना रखें। 4 मिनट तक माईक्रोवेव पर हाई (पुरे तापमान) पर, बीच में तीन बार पलटते हुए पकाएं। दोनों हाथों पर ¼ टी-स्पून तेल चुपड़े, सेंधा नमक और ¼ टी-स्पून कालीमिर्च को कन्द वेफर पर छिड़के और हाथों से अच्छी तरह से मिलाएं। शेष बची सामग्रीयों से 3 और हिस्से बनाएं। पुरी तरह से ठंडा कर हवा-बन्द डब्बे में संचय करें।

बैकिंग दुनिया के सबसे पुराने व्यवसायों में से एक है, लेकिन समय के साथ इसके स्वरूप व तकनीक में काफी परिवर्तन आया है। आजकल पूरी दुनिया में लोग बेक की हुई चीजों का बहुत बड़े स्तर पर प्रयोग करते हैं। ऐसे में एक प्रोफेशनल बेकर की डिमांड भी काफी बढ़ी है। यदि आपको भी खाना बनाना पसंद है तो आप एक बेकर के रूप में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

बैकिंग के स्वाद में छिपा बेहतर भविष्य

क्रिएटिव होना भी जरूरी...

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबूते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो।

स्किल्स...

वैसे तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है बस आपको बैकिंग, आइसिंग व डैकोरेटिंग की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फैक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बैकिंग के सिद्धांतों, सैनिटेशन, बैकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बैकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रीयल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है।

अपॉर्चुनिटी...

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप खुद की बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश सकते हैं।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा
- एलबीआईआई एचएम, पीतमपुरा, दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

करीवेपिल्लई पोड़ी

सामग्री

1 कप कड़ी पत्ता, 2 टी-स्पून नारियल का तेल/ अन्य तेल, 2 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1 टेबल-स्पून चना दाल, 1 टेबल-स्पून उड़द दाल, 1 टी-स्पून काली मिर्च, 2 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1/2 कप सूखा कसा नारियल, 1 टेबल-स्पून कटी हुई इमली, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटा पैन गरम करें, कड़ी पत्ता डालकर, धीमी आंच पर 3-4 मिनट के लिए लगातार हिलाते हुए भून लें। निकालकर एक तरफ रख दें। एक छोटे पैन में तेल गरम करें, खड़ा धनिया, चना दाल, उड़द दाल, काली मिर्च, जीरा, सरसों, तिल, लाल मिर्च और नारियल डालकर धीमी आंच पर लगातार हिलाते हुए 5 मिनट के लिए भून लें। ठंडा करने के बाद, कड़ीपत्ता, इमली, गुड़ और नमक डालकर, मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। हवा बन्द डब्बे में रखकर जरुरत अनुसार प्रयोग करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**